राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार,11 दिसंबर 2022 वर्ष–5,अंक–314 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिमाचल में सीएम की लड़ाई तेज, प्रियंका गांधी निकालेंगी रास्ता, जल्द ऐलान संभव

शिमला। हिमाचल में मुख्यमंत्री कौन होगा, इसे लेकर कांग्रेस पार्टी में अभी सहमति नहीं हो पाई है। लेकिन, सूत्रों से पता लगा है कि कांग्रेस आलाकमान ने इसकी जिम्मेदारी प्रियंका गांधी वाड्रा को सौंपी है। वो ही इसका सल्यूशन निकालेंगी। बता दें कि राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' में व्यस्तता के चलते प्रियंका ने ही प्रदेश में चुनाव की कमान अपने कंधों पर ली थी। गांधी फैमिली के प्रति निष्ठा के अलावा विजेता विधायक प्रियंका के नेतृत्व की भी सराहना कर चुके हैं।

हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव के बाद करिश्माई तरीके से कांग्रेस ने बहुमत हासिल किया और 68 विधानसभा सीटों में से 40 सीटों पर जीत हासिल की। कम से कम 10 सीटों पर एक प्रतिशत वोट अंतर रहने के बाद अब कांग्रेस हिमाचल में सिकंदर बनकर उभरी है। हिमाचल में सरकार बनाने के बाद हालांकि सरकार बनाने के लिए कांग्रेस की राह आसान है लेकिन, सीएम पद को लेकर पार्टी में मतभेद थमने का नाम नहीं ले रहा है। वीरभद्र सिंह की पत्नी और पीसीसी चीफ प्रतिभा सिंह की दावेदारी के बाद सुखविंदर सिंह सुक्खू, राजिंदर राणा और सीपीएल नेता मुकेश अग्निहोत्री भी इस रेस में आगे चल रहे हैं।

प्रियंका के पास क्या है सल्यूशन?

दरअसल, हिमाचल चुनाव में प्रचार की कमान संभालते हुए प्रियंका गांधी की यह पहली चुनावी सफलता है। पार्टी उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हार गई थी। सिरमौर, कांगड़ा, सोलन और ऊना में अपनी रैलियों के दौरान प्रियंका गांधी ने अग्निपथ, महंगाई, बेरोजगारी और पुरानी पेंशन योजना के मुद्दे उठाए थे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि प्रियंका गांधी ही सीएम के लिए

बता दें कि राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' में व्यस्तता के चलते प्रियंका ने ही प्रदेश में चुनाव की कमान अपने कंधों पर ली थी। गांधी फैमिली के प्रति निष्ठा के अलावा विजेता विधायक प्रियंका के नेतृत्व की भी सराहना कर चुके हैं। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव के बाद करिश्माई तरीके से कांग्रेस ने बहुमत हासिल किया और 68 विधानसभा सीटों में से 40 सीटों पर जीत हासिल की।

किसी एक नाम पर मुहर लगा सकती हैं। विधायकों में गांधी फैमिली के प्रति निष्ठा तो है ही साथ ही प्रियंका के नेतृत्व को भी विजयी विधायक संजीवनी बता चुके हैं।

मां के लिए सीट छोड़ने को तैयार विक्रमादित्य

वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह ने शिमला ग्रामीण से जीत हासिल की थी। उन्होंने कांग्रेस पार्टी को बहुमत मिलने के बाद यह दावा किया कि अगर उनकी मां को सीएम बनाया जाता है तो वे अपनी सीट छोड़ने के लिए भी तैयार हैं। वीरभद्र सिंह पत्नी प्रतिभा सिंह ने यह तक कहा कि उनके पति और दिवंगत वीरभद्र सिंह के नाम पर कांग्रेस पार्टी को हिमाचल में जीत मिली है। ऐसे में सीएम पद के लिए उनके परिवार का दावा ज्यादा मजबूत है। हालांकि अंतिम फैसला आलाकमान को ही लेना है।

सुक्खू ने दिखाई ताकत, चंदर कुमार की नई एंट्री

हिमाचल में सीएम पद को लेकर कांग्रेस में पार्टी जारी खींचतान के बीच विधायकों का शक्ति प्रदर्शन जारी है। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हालांकि 21 विधायकों के साथ मीटिंग करके आलाकमान को अपनी शक्ति दिखाई लेकिन, इस बीच पार्टी में सीनीयर नेता और विधायक चंदर कुमार की भी सीएम रेस में एंट्री हो गई है।

प्रतिभा और सुक्खू की दावेदारी खटाई में

बताया तो यह भी जा रहा है कि सीएम की रेस से प्रतिभा सिंह और सुक्खू बाहर हो गए हैं। इस बीच अब रेस में राजिंद्र राणा, मुकेश अग्निहोत्री और नई एंट्री के रूप में चंदर कुमार का नाम आगे चल रहा है। सूत्रों का कहना है कि प्रियंका गांधी सीएम के नाम का ऐलान कर सकती हैं।

महाराष्ट्र के प्रतिनिधिमंडल की शाह से मुलाकात का कोई फर्क नहीं पड़ेगा-सीमा विवाद पर बोम्मई ने कहा

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा है कि महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच जारी सीमा विवाद के बीच महाराष्ट्र के एक प्रतिनिधिमंडल की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बोम्मई ने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार इस मुद्दे पर कोई समझौता नहीं करेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने कर्नाटक के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल से सीमा विवाद को लेकर सोमवार को शाह से मुलाकात करने को कहा है। बोम्मई ने कहा कि वह जल्द ही खुद भी केंद्रीय गृह मंत्री से मिलकर उन्हें इस मुद्दे पर राज्य के 'वैध' रुख से अवगत कराएंगे। उन्होंने शुक्रवार रात ट्वीट किया, ''केंद्रीय गृह मंत्री से महाराष्ट्र के प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। महाराष्ट्र ने पहले भी ऐसा किया है। मामला उच्चतम न्यायालय में है। हमारा वैध मामला शीर्ष अदालत में मजबूत स्थिति में है। हमारी सरकार सीमा मुद्दे पर कोई समझौता नहीं करेगी।'' मुख्यमंत्री ने आगे लिखा, ''मैंने कर्नाटक के सांसदों से कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा विवाद को लेकर सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करने के लिए कहा है। मैं भी जल्द ही केंद्रीय गृह मंत्री से मिलूंगा और उन्हें राज्य के वैध रुख से अवगत कराऊंगा।'' शुक्रवार को शाह से मुलाकात के बाद महाराष्ट्र के प्रतिनिधिमंडल में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अमोल कोल्हे ने कहा था कि सीमा विवाद को लेकर जारी तनाव में कमी लाने के लिए गृह मंत्री 14 दिसंबर को दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मुलाकात करेंगे। कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच सीमा विवाद 1957 में भाषायी आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के बाद शुरू हुआ था। हाल के हफ्तों में सीमा को लेकर दोनों राज्यों के बीच तनाव में वृद्धि दर्ज की गई है।

...तो दिल्ली में 3 गुना बढ़ सकती हैं बीजेपी की सीटें,

एमसीडी चुनाव हारकर भी भगवा दल को कहां से मिल रही संजीवनी ?

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी भले ही चुनाव हारकर दिल्ली नगर निगम की सत्ता से बेदखल हो गई हो लेकिन उसे इस हार में भी उम्मीद की एक किरण नजर आ रही है। अगर आज की स्थिति में दिल्ली में विधानसभा चुनाव हो और मतदाताओं का वोट करने का यही पैटर्न रहा तो 70 सदस्यों वाली दिल्ली विधानसभा में बीजेपी 24 सीटें जीत सकती है, जो 2020 की तुलना में 16 सीट ज्यादा है। दूसरी तरफ आप को 41 सीटें मिल सकती हैं, जो 2020 की तुलना में 21 सीटें कम हैं। साल 2020 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 8 सीटें जीती थीं, जबकि आम आदमी पार्टी को 62 सीटें मिली थीं। 2015 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले 2020 में आप को पांच सीटों का नुकसान हुआ था, जबकि बीजेपी को पांच सीटों का फायदा हुआ था। बीजेपी को नई संजीवनी मिलने का आधार वोट परसेंट है। पिछले दिनों हुए एमसीडी चुनावों में कुल 50.48 फीसदी वोटिंग हुई थी, जो 2017 में हुई 53.6 फीसदी से कम है। हालांकि, 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में मतदान का प्रतिशत 62.59 रहा था। एमसीडी चुनाव के लिए, सभी

250 वार्डों में कुल 1.45 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं। आप ने इस चुनाव में 134 सीटें जीतकर 15 साल से एमसीडी पर राज कर रही बीजेपी को सत्ता से बेदखल करते हुए उसे 104 वार्डों में सीमित करते हुए दूसरे नंबर पर धकेल दिया है। एमसीडी चुनाव में आप को कुल 42.05 फीसदी वोट शेयर मिले हैं , जो 2017 की तुलना में 17 फीसदी ज्यादा है।

जी-20 की मीटिंग में शामिल हुए सीएम नीतीश

सुशील मोदी ने कहा था- पीएम का सामना करने की नहीं हिम्मत

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को जी-20 सम्मेलन की तैयारियों को लेकर बैठक में शामिल हुए। जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की। सीएम नीतीश कुमार पटना से इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जुड़े, इस दौरान उनके साथ मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, संस्कृति विभाग के सचिव वंदना प्रेयसी, प्रधान सचिव और वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ एस सिद्धार्थ मौजूद रहे। आपको बता दें, दो दिन पहले बीजेपी नेता सुशील मोदी ने कहा था कि सीएम नीतीश की पीएम के सामने आने की हिम्मत नहीं है। इसलिए बुलाने पर भी वह बैठक में शामिल नहीं हो रहे।

नीतीश पर सुशील मोदी का हमला –प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पहले भी इस बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को शामिल होने के लिए कहा गया था। लेकिन किसी कारण वह इसमें शामिल नहीं हुए। 6 दिसंबर को बीजेपी नेता सुशील कुमार मोदी ने इस बात को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश को घेरा भी था। उनका कहना था कि सीएम नीतीश में प्रधानमंत्री का सामना करने की हिम्मत नहीं है, क्योंकि वो दो बार बीजेपी को धोखा दे चुके हैं। सुशील मोदी ने साथ ही साथ यह भी कहा था कि इस बैठक में पूर्व में आरजेडी और जेडीयू से किसी भी नेता ने हिस्सा नहीं लिया था। हालांकि इस बैठक में मुख्यमंत्री शामिल हुए हैं। आपको बता दें साल 2023 में भारत में जी-20 का शिखर सम्मेलन होने जा रहा। इसे लेकर तैयारियों की समीक्षा की जा रही, प्रधानमंत्री के साथ गृह मंत्री अमित शाह और अन्य लोग भी मौजूद थे। इस दौरान होने वाले शिखर सम्मेलन को लेकर तैयारियों पर चर्चा की गई। बता दें कि बिहार समेत देश भर में 200 से ज्यादा कार्यक्रम इस शिखर सम्मेलन के दौरान होने वाले हैं। इसे लेकर तैयारियों पर समीक्षा की जा रही है। इस बैठक के दौरान भारत में अगले साल आयोजित होने वाली जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारी और रणनीतियों पर चर्चा की गई. हर स्टेट के सीएम और लोगों से सुझाव मांगे गए हैं। इसकी तैयारियों को लेकर प्रधानमंत्री लगातार बैठक कर रहे और हर राज्यों से इस सम्मेलन को बेहतर तरीके से करवाने का सुझाव ले रहे हैं।

भारत में कोविड-19 के 210 नए मामले, उपचाराधीन मामलों की संख्या घटकर 4,047 हुई

नई दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 210 नए मामले सामने आए तथा उपचाराधीन मरीजों की संख्या और कम होकर 4,047 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण के कुल मामलों की संख्या अब 4.46 करोड़ (4,46,74,649) हो गई है। केरल द्वारा संक्रमण से मौत के मामलों की सूची में एक और मामला जोड़े जाने के बाद मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 5,30,654 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.01 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर 98.80 प्रतिशत हो गई है। बीते 24 घंटे में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 181 मामलों की कमी दर्ज की गई है। इस बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,41,39,948 हो गई है जबकि मृतकों की संख्या 1.19 फीसदी है। देशव्यापी कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक 219.96 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

'कोहली भी हर मैच में शतक नहीं लगा पाते', गुजरात में मिली हार पर बोले भगवंत मान

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुजरात में आम आदमी पार्टी (आप) के दावों के विपरीत आए नतीजों पर कहा कि विराट कोहली भी हर मैच में शतक नहीं लगाते हैं। आपको बता दें कि इस चुनाव प्रचार के दौरान अरविंद केजरीवाल ने गुजरात में सरकार बनाने का दावा किया था, हालांकि चुनाव में आम आदमी पार्टी को सिर्फ पांच सीटों पर जीत मिली। एजेंडा आज तक कार्यक्रम में जब पंजाब के सीएम से गुजरात में आप के सरकार बनाने के दावों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, कम से कम केजरीवाल में लिखित में देने का साहस है। हम कांग्रेस की तरह मैदान नहीं छोड़ते बल्कि मेहनत करते हैं। हमने पंजाब से गुजरात में प्रवेश किया है। अब आम आदमी पार्टी एक

राष्ट्रीय पार्टी है। उन्होंने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी को गुजरात में 13 फीसदी वोट मिले। पंजाब के सीएम ने कहा, हम शून्य से 5 पर आ गए हैं, इसलिए हम हारे नहीं हैं। इसके साथ ही पंजाब के सीएम ने बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी को तीन में से सिर्फ एक चुनाव में जीत मिली है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा हिमाचल प्रदेश और एमसीडी में हार गई है।

भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से उभरी आप-मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से आम आदमी पार्टी (आप) का उदय हुआ है। उन्होंने कहा, यह पार्टी किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा नहीं बनाई गई है जो किसी अन्य पार्टी से निकला हो। पार्टी ने उन आम लोगों के लिए मार्ग प्रशस्त किया जो देश की सेवा करना चाहते थे। आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकली है। यह रामलीला मैदान से निकली है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनावों पर अपने दिल की बात कही। आम आदमी पार्टी ने चुनाव जीतकर बीजेपी के 15 साल के एमसीडी के राज को खत्म कर दिया। एमसीडी चुनाव में आप ने 134 वार्डों में जीत हासिल की। एमसीडी चुनाव की जीत के बारे में बात करते हुए पंजाब के सीएम ने कहा कि जब जनता आपके लिए लड़ना शुरू करती है तो आपको कोई नहीं हरा सकता है।

डरा हुआ है दुश्मन देश, SFJ के दावे की जांच; तरनतारन में रॉकेट हमले पर बोले पंजाब DGP

चंडीगढ़। पंजाब के तरनतारन पुलिस स्टेशन पर शुक्रवार देर रात हुए रॉकेट लॉन्चर अटैक पर पंजाब पुलिस डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि दुश्मन देश पाकिस्तान डरा हुआ है और ध्यान भटकाने के लिए ऐसी कायरतापूर्ण हरकत की। उन्होंने कहा कि हम खालिस्तान ग्रुप एसएफजे की हमले के दावे की जांच करेंगे। पाकिस्तान में मौजूद हैंडलर और ऑपरेटर जो यूरोप और उत्तरी अमेरिका में भी एक्टिव हैं। उनके लिंक की जांच की जा रही है ताकि असली अपराधियों को जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

शनिवार को चंडीगढ़ में संवाददाताओं से बात करते हुए पंजाब डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि इस साल करीब 200 ड्रोन क्रासिंग हुई हैं। पिछले एक महीने में कई ड्रोन को रोका गया, हेरोइन और हथियार जब्त किए गए। मेरा मानना ??है कि दुश्मन देश डरा हुआ है और ध्यान भटकाने के लिए रात में कायरतापूर्ण हमला कर रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि बीती रात करीब 11 बजकर 22 मिनट पर आरपीजी का इस्तेमाल कर हाईवे से ग्रेनेड दागा गया। यह

सरहाली थाने के सुविधा केंद्र से टकराया। यूएपीए के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। सेना के दस्ते में शामिल फॉरेंसिक टीम भी जांच का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हम तकनीकी और फॉरेंसिक रूप से इसकी जांच करेंगे, अपराध के दृश्य से सभी सुराग एकत्र किए जा रहे हैं ताकि हम जो हुआ उसका पुनर्निर्माण कर सकें। हम लॉन्चर को रिकवर कर रहे हैं।

यूरोप और यूएस में एक्टिव हैं पाक हैंडलर और ऑपरेटर

गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पाकिस्तान में मौजूद हैंडलर और ऑपरेटर यूरोप और उत्तरी अमेरिका में भी एक्टिव हैं। उनके लिंक की भी जांच की जा रही है। हम एसएफजे के दावे की भी जांच कर रहे हैं। यह सैन्य-ग्रेड हार्डवेयर हो सकता है और सीमा पार तस्करी का मामला भी हो सकता है। बहुत स्पष्ट संकेत है कि यह पड़ोसी देश की एक रणनीति है कि वह भारत देश को लगातार घाव दे। बीएसएफ और केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर पंजाब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

भारत में इलाज मंहगा क्यों है?

हजारों वर्ष पुराने हिंदू कानून ईसाई और यहूदी कानून और इस्लामी कानूनों से चिपके रहने की बजाय नई परिस्थितियों के मुताबिक आधुनिक कानून मानने के कारण बहुत-सी परेशानियों से भारत के लोगों को मुक्त होने का मौका सहज ही मिल जाएगा। इसी तरह से अपने देश में लोगों को समुचित इलाज और इंसाफ पाने में बहुत दिक्कत होती है।

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

इस बार राज्यसभा में ऐसे दो निजी विधेयक पेश किए गए हैं जो पता नहीं कानून बन पाएंगे या नहीं लेकिन उन पर यदि खुलकर बहस हो गई तो वह भी देश के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी। पहला विधेयक सबके लिए समान निजी कानून बनाने के बारे में है और दूसरा है इलाज में लूट-पाट रोकने के लिए। निजी कानून याने शादी-ब्याह तलाक दहेज उत्तराधिकार संबंधी कानून। इस बारे में मेरी विनम्र राय है कि सारे भारतीय लोगों को एक ही तरह का निजी कानून मानने में ज्यादा फायदा है। हजारों वर्ष पुराने हिंदू कानून ईसाई और यहूदी कानून और इस्लामी कानूनों से चिपके रहने की बजाय नई परिस्थितियों के मुताबिक आधुनिक कानून मानने के कारण बहुत-सी परेशानियों से भारत के लोगों को मुक्त होने का मौका सहज ही मिल जाएगा। इसी तरह से अपने देश में लोगों को समुचित इलाज और इंसाफ पाने में बहुत दिक्कत होती है। अस्पताल और अदालत लोगों को लूट डालते हैं। इसीलिए अस्पतालों डॉक्टरों की फीस दवाइयों और जांच की कीमतों पर नियंत्रण लगाना बहुत जरुरी हो गया है। मेरी राय में तो चिकित्सा और शिक्षा या यों कहें कि इलाज और इंसाफ हर नागरिक को मुफ्त मिलना चाहिए। इसीलिए राज्यसभा के वर्तमान सत्र में यह जो विधेयक इलाज की कीमतों पर नियंत्रण के लिए लाया गया है इसे सर्वानुमति से पारित करके लोकसभा को भेजा जाना चाहिए। इस विधेयक में शायद यह मांग नहीं की गई है कि गैर-सरकारी अस्पतालों में शल्य-चिकित्सा और कमरों की फीसों में मच रही लूट-पाट को रोका जाए। या तो निजी अस्पताल एकदम खत्म ही कर दिए जाएं और यदि उनको रहने दिया जाए तो उन्हें पांच नहीं सात सितारा होटलें बनने से रोका जाए। आजकल स्वास्थ्य-बीमा मध्यम और उच्च वर्ग के रोगियों को कुछ राहत जरुर पहुंचाता है लेकिन वह निजी अस्पतालों की लूट-पाट का नया हथियार बन गया है। निजी अस्पतालों की मोटी फीस और सरकारी अस्पतालों की लापरवाही उनमें भर्ती हुए कई मरीज़ों को पहले से भी ज्यादा बीमार कर देती है। जिस दवा का लागत मूल्य 2 रु. है वह 100 रु. में बिकती है और जो परीक्षण 50 रु. में हो सकता है उसके लिए 500 रु. ठग लिए जाते हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार भारत में 2021 में इलाज़ की मंहगाई 14 प्रतिशत बढ़ गई थी। उसके कारण देश के साढ़े पांच करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे आ गए थे। भारत में इलाज पर हमारे नागरिकों को अपने जेब खर्च का 63 प्रतिशत पैसा खर्च करना होता है। भारतीय नागरिकों का स्वास्थ्य बढ़िया रखने के लिए कई अन्य कदम भी जरूरी हैं लेकिन उनके इलाज़ को सस्ता करने में संसद को कोई झिझक क्यों होनी चाहिए?

सूक्ति

हमारे अंदर अंधकार और रोशनी दोनों है यह हमें चुनना है कि इनमें से हम किस को महत्व देते है।
- जे. के. रालिंग

मुझे आने वाले कल का भय नहीं है क्योंकि मैंने बीता हुआ कल देखा है और मुझे आज से प्यार है।
- विलियम ए व्हाइट

लॉफिंग ज़ोन

पति (पत्नी से), ''धर्म-पुत्र युधिष्ठर भी तो जुआ खेलते थे फिर तुम मुझे जुआ खेलने से क्यों रोकती हो?''

पत्नी, ''बिल्कुल नहीं रोकूंगी लेकिन याद रखें कि द्रौपदी के भी 5 पति थे.''

☺ ☺ ☺

एक कब्रिस्तान में एक कब्र पर लिखा था, ''यहां एक नेक और शरीफ इंसान, एक मशहूर डाक्टर आराम कर रहा है.'' तख्ती पढ़ कर मोहन लाल न सोहन लाल से कहा, ''यह कैसे हो सकता है एक कब्र में 2 आदमी कैसे दफनाए जा सकते हैं?''

☺ ☺ ☺

एक शहरी युवक गांव स्थित अपने ससुराल गया और अपने साले को तोहफा देने के लिए सैंट की एक शीशी ले गया. उसने अपने साले को शीशी दी तो वह सैंट को हथेली पर उंडेल कर चाट गया.

युवक ने अपने ससुर से अपने साले की शिकायत की कि मैंने सैंट दिया और वह हथेली पर उंडेल कर चाट गया. ससुर बोला, ''बड़ा पागल है. घर में रोटी पड़ी थी उस पर डाल कर खा लेता.''

☺ ☺ ☺

भिखारी घर के दरवाजे पर आवाज लगा रहा था, ''एक रुपए का सवाल है बाबा.''

निशू ने थोड़ा-सा दरवाजा खोला और पूछा, 'बाबा सवाल भूगोल का है या गणित का?'

☺ ☺ ☺

76 वर्षों से बच्चों के कल्याण के लिए प्रयासरत है यूनिसेफ

(लेखक- योगेश कुमार गोयल/ यूनिसेफ दिवस (11 दिसम्बर) पर विशेष

यूनिसेफ (यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रेंस फंड) की स्थापना को आज 76 वर्ष हो चुके हैं और इन 76 वर्षों में यूनिसेफ ने दुनियाभर में बच्चों की शिक्षा स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। प्रतिवर्ष बच्चों के कल्याण के लिए एक थीम के जरिये यूनिसेफ दिवस मनाया जाता है और इस वर्ष का विषय बच्चों को पिछले दो वर्षों में महामारी के दौरान हुई रुकावट और सीखने के नुकसान से उबरने में मदद करना है। विश्वभर में बच्चों के स्वास्थ्य पोषण शिक्षा कल्याण और विकास के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए ही यूनिसेफ को वर्ष 1965 में नोबेल शांति पुरस्कार वर्ष 1989 में इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार तथा वर्ष 2006 में प्रिंस ऑफ अस्तुरियस अवार्ड जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है। नोबेल पुरस्कार दिए जाने के बाद वैश्विक स्तर पर यूनिसेफ का कार्य और तेज हो गया। आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो यूनिसेफ की शिक्षा इकाई के कारण ही वर्ष 2006 तक विश्वभर में करीब 12 मिलियन बच्चे पढ़ाई के लिए स्कूल वापस जा सके। यूनिसेफ बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए आपात स्थितियों में कार्रवाई करता है और युद्ध आपदा घोर गरीबी हर प्रकार की हिंसा और शोषण तथा विकलांगता से पीड़ित सर्वाधिक वंचित बच्चों के लिए विशेष संरक्षण सुनिश्चित करने के प्रति संकल्पबद्ध है। यह बच्चों को पहला अधिकार दिलाता है और वंचित बच्चों तथा उनके परिवारों के लिए उपयुक्त नीतियां बनवाने और सेवाएं प्रदान करने की देशों की क्षमता का निर्माण करता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान तबाह हुए देशों के बच्चों और माताओं को आपातकालीन स्थिति में भोजन तथा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा 11 दिसम्बर 1946 को न्यूयार्क में यूनिसेफ की स्थापना की गई थी। उस समय इसे 'यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेन्स इमरजेंसी फंड' के नाम से जाना जाता था। विकासशील देशों में बच्चों और महिलाओं की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए वर्ष 1950 में यूनिसेफ के दायरे को विस्तारित किया गया। वर्ष 1953 में यूनिसेफ संयुक्त राष्ट्र का एक स्थायी हिस्सा बन गया और इस संगठन के नाम में से 'अंतर्राष्ट्रीय' तथा 'आपातकालीन' (इमरजेंसी) शब्दों को हटा दिया गया। वर्ष 1953 में यूनिसेफ के संयुक्त राष्ट्र का स्थायी सदस्य बन जाने के बाद इसका नाम 'यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रेंस फंड' (संयुक्त राष्ट्र बाल कोष) कर दिया गया लेकिन मूल संक्षिप्त नाम 'यूनिसेफ' को बरकरार रखा गया। यूनिसेफ का गठन करने में पोलैंड के चिकित्सक लुडविक रॉश्मन ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बाल अधिकारों के संरक्षण की हिमायत करने उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में मदद देने तथा उनकी प्रतिभा के पूर्ण विकास के अवसरों का विस्तार करने का दायित्व यूनिसेफ को सौंपा गया है जो बाल अधिकार समझौते से मार्गदर्शन लेते हुए बाल अधिकारों को चिरंतन नैतिक सिद्धांतों और बच्चों के प्रति व्यवहार के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के रूप में स्थापित करने के लिए सदैव प्रत्यनशील रहता है। वर्ष 1946 में यूनिसेफ की स्थापना द्वितीय युद्ध में प्रभावित बच्चों की सुरक्षा के उद्देश्य से ही की गई थी लेकिन अब यह संस्था दुनियाभर में बच्चों के कल्याण के लिए कार्यरत है। वर्तमान में यूनिसेफ के कार्यकर्ता दुनियाभर के 190 से भी अधिक देशों में बच्चों के कल्याण के लिए निरन्तर कार्य कर रहे हैं। भारत में इस संस्था ने वर्ष 1949 में कार्य करना प्रारंभ किया था और अब हमारे यहां यह नई दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश राजस्थान महाराष्ट्र मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ गुजरात बिहार झारखंड पश्चिम बंगाल आंध्र प्रदेश तमिलनाडु कर्नाटक असम उड़ीसा इत्यादि राज्यों में कार्य कर रही है। बाल विकास और पोषाहार बाल संरक्षण शिक्षा बाल पर्यावरण पोलियो उन्मूलन प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य बच्चे और एड्स सामाजिक नीति नियोजन निगरानी एवं मूल्यांकन हिमायत और भागीदारी आचरण परिवर्तन संदेश आपात स्थिति तैयारी और कार्रवाई जैसे क्षेत्रों पर यूनिसेफ का मुख्य फोकस रहता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग के अलावा यूनिसेफ द्वारा दुनियाभर में मौजूद अनेक स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के साथ मिलकर बच्चों को पानी स्वच्छता इंफेक्शंस आदि के लिए कैम्पैन चलाए जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की इस संस्था द्वारा प्रतिवर्ष दुनियाभर में नवजात बच्चों के टीकाकरण के लिए तीन बिलियन से भी अधिक टीके प्रदान किए जाते हैं। यूनिसेफ की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह संस्था दुनियाभर में बच्चों के कल्याण हेतु कार्य के दौरान किसी भी प्रकार के जाति धर्म राष्ट्रीयता राजनीतिक विचारधारा इत्यादि के आधार पर भेदभाव नहीं करती। यह संस्था करीब 50 देशों में एचआईवी/एड्स से बचाव की लड़ाई में निरन्तर कार्यरत है। यूनिसेफ का 36 सदस्यों का कार्यकारी दल इसके कार्यों की देखरेख करता है इसकी नीतियां बनाता है तथा यूनिसेफ के वित्तीय एवं प्रशासनिक योजनाओं से जुड़े कार्यक्रमों को स्वीकृति प्रदान करता है। यूनिसेफ का अधिकांश कार्यक्षेत्र 190 देशों अथवा क्षेत्रों में मौजूद है। 150 से अधिक देशों के कार्यालय मुख्यालय और यूनिसेफ के नेटवर्क से जुड़े अन्य कार्यालय तथा 34 राष्ट्रीय समितियां मेजबान सरकारों के साथ विकसित कार्यक्रमों के माध्यम से यूनिसेफ के मिशन को पूरा करते हैं। सात क्षेत्रीय कार्यालय आवश्यकतानुसार सभी देशों में स्थित कार्यालयों को तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं। वर्तमान में यूनिसेफ फंड एकत्रित करने के लिए विश्वस्तरीय एथलीट और टीमों की सहायता लेता है। इस संस्था का वित्त पोषण विभिन्न सरकारों तथा निजी दानदाताओं द्वारा किया जाता है। संस्था के संसाधनों का दो-तिहाई योगदान विभिन्न देशों की सरकारें करती हैं और शेष योगदान निजी समूहों तथा व्यक्तियों द्वारा राष्ट्रीय समितियों के माध्यम से किया जाता है। यूनिसेफ के लक्ष्यों की एक लंबी सूची है जिसमें न्यूनतम-लागत हस्तक्षेप के माध्यम से लाखों बच्चों के जीवन को बचाने बच्चों के अवैध व्यापार और शोषण को रोकने तथा मां-बच्चे के बीच एचआईवी/एड्स के संक्रमण को समाप्त करने में सहायता करना शामिल हैं। अनुमान लगाया जाता रहा है कि यूनिसेफ के राजस्व का करीब 92 फीसदी हिस्सा सेवा कार्यक्रमों के लिए वितरित कर दिया जाता है। वर्तमान में यूनिसेफ द्वारा बच्चों का विकास बुनियादी शिक्षा लड़कियों की शिक्षा सहित लिंग के आधार पर समानता बच्चों का हिंसा से बचाव शोषण बाल-श्रम के विरोध में एचआईवी/एड्स बच्चों के अधिकारों के वैधानिक संघर्ष इत्यादि के लिए सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं।

यूनिसेफ इस बात में विश्वास रखता है कि बच्चों का पोषण और देखभाल करना मानव प्रगति की आधारशिला है और उसका मानना है कि अगर दुनिया में फैली असमानता को मिटाया नहीं गया तो वर्ष 2030 तक लगभग 167 मिलियन बच्चे भीषण गरीबी में जीवन जीने को मजबूर होंगे। दरअसल माना जा रहा है कि 2030 तक पांच वर्ष से कम आयु के करीब 19 मिलियन बच्चों की विभिन्न कारणों से मौत हो जाएगी और करीब 60 मिलियन बच्चे प्राथमिक शिक्षा से वंचित हो जाएंगे। ऐसे में बच्चों के कल्याण और सर्वांगीण विकास के लिए कार्यरत यूनिसेफ से उम्मीदें काफी बढ़ जाती हैं जिसकी नीति है कि कोई अन्य विकल्प नहीं होने पर ही अनाथालयों को केवल बच्चों के लिए अस्थायी आवास के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। दरअसल यूनिसेफ बच्चों के लिए स्थायी अनाथालयों के बड़े पैमाने पर निर्माण का विरोध करता रहा है। उसका कहना है कि जहां तक संभव हो परिवारों और समुदायों में ही बच्चों के लिए स्थान खोजने अर्थात् उन्हें गोद देने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यूनिसेफ अनाथ बच्चों को विदेशी माता-पिता को गोद देने के बजाय स्वदेश में ही बच्चों की देखभाल करने पर जोर देता रहा है।

(लेखक 32 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संवैधानिक संस्थाओं का राजनीतिकरण?

(लेखक-सनत जैन)

संवैधानिक संस्थाएं अब राजनीति के एजेंडे पर काम करते हुए दिख रही हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर हुई है। जिसमें मुस्लिम लड़कियों की कम उम्र की शादी को वैध ठहराने के खिलाफ यह याचिका दायर की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर 4 सप्ताह के अंदर केन्द्र सरकार को जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा है। इसी तरह की कई कार्यवाही विभिन्न आयोगो द्वारा समय-समय पर की जा रही है। धर्म के आधार पर भेदभाव के आरोप तथा राजनैतिक आधार पर काम करने निरंतर समाचार मिल रहे है। बड़े आश्चर्य की बात है कि भारत के संविधान और कानूनों पर जिस तरह से राष्ट्रीय महिला आयोग जैसी संस्थाएं सुप्रीम कोर्ट की ओर रुख कर रही है। धार्मिक आधार पर शादी की न्यूनतम आयु को लेकर जो काम राजनीतिक दलों को और सरकारों को करना चाहिए। अब वह काम आयोग के जरिए कराया जा रहा है। इसके कारण अब संवैधानिक संस्थाएं भी विवादों में आती चली जा रही है। भारत के संविधान में धार्मिक आधार पर सभी को कुछ छूट प्राप्त हुई थी। संविधान में उसका उल्लेख है। धार्मिक स्वतंत्रता भारत की सबसे बड़ी स्वतंत्रता है। जिसमें नागरिक अपनी आस्थाओं के साथ अपना जीवन यापन कर सकता है। 1950 से संविधान लागू है। 70 साल का हमारा लोकतंत्र तथा संवैधानिक व्यवस्थाओं का बेहतर कार्यकाल है। जहां सभी जाति और धर्म के लोग अपनी मान्यताओं और परंपराओं के अनुसार अपना जीवन निर्वाह कर रहे थे। पिछले कुछ वर्षों से धार्मिक ध्रुवीकरण को लेकर नागरिकों के और निजी जीवन और सोच के उन हिस्सों को खोद-खोद कर घाव बनाया जा रहा है। जिसके कारण भारतीय समाज में लगातार भेदभाव और सामाजिक सद्भाव बिगड़ता ही चला जा रहा है। जब यह काम संवैधानिक संस्थाएं करने लगे तब चिंता बढ़ने लगती है। धार्मिक आधार आस्था का केंद्र बिंदु होते है। धार्मिक आधार पर परिवार के एवं सामाजिक व्यवस्था विकसित होती है। भारतीय संविधान ने धार्मिक आधार पर मुस्लिम हिंदू पारसी जैन बौद्ध एवं अन्य सभी धार्मिक समुदाय को संवैधानिक सुरक्षा दी है। जिसका पालन धार्मिक आधार पर सामाजिक व्यवस्था में कई दशकों से हो रहा है। भारतीय कानून सब पर लागू है। यदि सामाजिक व्यवस्था या धार्मिक व्यवस्था को कोई व्यक्ति स्वीकार नहीं कर रहा है। उस पर भारतीय कानून लागू होते है। कानून यदि बनाना भी है तो यह राजनीतिक दलों सरकारों का काम है। लेकिन यदि इस तरह के मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग जैसी संस्थाएं याचिका लगाकर इन मतभेदों को बढ़ाने की दिशा में काम करते हैं तो उनकी विश्वसनीयता के लिए यह चिंता की बात है। प्रकृति जन्म कानूनों से भिन्न कानून बनाना कभी भी सामाजिक व्यवस्था को बेहतर नहीं बना सकते है। पिछले कुछ दशकों में प्रकृति जन्य नियमों के खिलाफ सरकारे हम कानून बना रही हैं। इससे सामाजिक विकृतियां बढ़ती ही जा रही है। कानून बनाते समय हमें प्रकृति के नियमों का भी ध्यान रखना होगा तभी समाज को बेहतर बनाया जा सकता है। भारत में अभी धार्मिक ध्रुवीकरण को लेकर जो उन्माद फैला हुआ है उसमें सरकारे एवं अन्य समूह काम छोड़कर दूसरे के निजी मामलों में हस्तक्षेप कर रही हैं। यह कहीं से भी उचित नहीं है। धार्मिक आधार पर बनी सामाजिक व्यवस्था पर यदि बार-बार चोट की जाएगी तो इसके दुष्परिणाम ही हमें देखने को मिलेंगे। यह मिल भी रहे है। भारत कई सदियों से विविधता वाला देश है। भारत में रहने वाले लोग इन्हीं विविधताओं के बीच रहने के आदी है। सत्ता प्राप्त करने अथवा सत्ता में बने रहने के लिए के राजनीतिक कारणों से यदि सामाजिक दुराव बढ़ता है तो यह किसी भी वर्ग के लिए भी सुखदाई नहीं हो सकता है। भारत में ब्रम्हा-विष्णु को मानने वालों पर विवाद था। भारत में नरसिंह अवतार हिरणाकश्यप पहलाद जैसे सैकड़ों पौराणिक कथायें है। सत्ता तक पहुंचने और सत्ता में बने रहने के लिये विविधता को समाप्त करने और एक छटा राज्य करने की प्रवत्ति सही नहीं है। अमेरिका एवं यूरोपीय विकसित देशों में 18 साल से कम के युवा सबसे ज्यादा आत्महत्या कर रहे है। इसमें कानून के होते हुए भी कम आयु में गर्भधारण और नशे जैसी प्रवृत्ति के कारण सबसे ज्यादा युवा आत्म हत्याएं कर रहे हैं। कानून बन जाने के बाद यदि यह सब घटनाएं रुक रही होती तो भारत में यौन अपराधों को लेकर मृत्युदंड और कड़ी सजा के कानून बन जाने के बाद यह अपराध घटे नहीं है। उल्टे और भी बढ़ गए है। सामाजिक एवं पारिवारिक नैतिकता से बेहतर समाज निर्मित होती है। हमें नैतिक होने की जरूरत है। तभी सामाजिक नियम एवं परम्पराओं को ध्यान में रखकर सरकार के बनाए हुए कानून सभी कारगर साबित होंगे।

(चिंतन-मनन)

मन की तेज गति

नौका नदी के उस पार जा रही थी। अनेक व्यक्ति उस पर सवार थे। भार अधिक हो गया। नौका डगमगाने लगी। नाविक ने कहा - नौका डूब जाएगी। यदि सबको बचना है तो स्वयं को सुरक्षित रखते हुए अपना सारा सामान नदी में बहा दो अन्यथा सामान के साथ-साथ प्राण भी जाएंगे। सबने अपने जीवन की सुरक्षा को महत्व देते हुए सामान नदी में डाल दिया। एक बनिये के पास तीन खाली डिब्बे और एक रूपयों से भरा डिब्बा था। उसने खाली डिब्बे पानी में डाल दिए। नाविक ने कहा - इस वजनी डिब्बे को डाल दो। बनिये ने रूपयों को ऐंसे व्यर्थ बहाना उचित नहीं समझा। वह डिब्बे को साथ ले नदी में कूद पड़ा। नौका हल्की हो गई। पर वह बनिया उस डिब्बे के भार से दबकर डूब गया। यदि वह खाली डिब्बे के साथ कूदता तो संभव है बच जाता पर भरे हुए डिब्बे ने उसे डुबो दिया। कहने का अर्थ यह है कि लोगों का भरे हुए पर अधिक विश्वास है खाली पर नहीं। काम में लगे रहते हैं तो समझते हैं भरे हुए हैं समय का उपयोग हो रहा है। जब खाली होते हैं तब समझते हैं आज तो समय व्यर्थ खो रहे हैं। लोग खाली रहना नहीं जानते और खाली रहने के समय का उपयोग करना भी नहीं जानते। आदमी खाली कहां रह पाता है? जब उसके पास कोई काम नहीं होता तब भी वह खाली नहीं है। उसके मन का चक्का इतनी तीव्र गति से घूमता है कि दुनिया की सारी स्मृतियां उस समय उभर आती हैं। मस्तिष्क विचारों से संकल्प-विकल्पों से भर जाता है। कहां है खाली वह आदमी? उसका दिमाग भरा ही रहता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्लाइड्स में अब दोस्तों के साथ कोलैबोरेट कर सकेंगे यूजर्स, गूगल ने की घोषणा

सैन फ्रांसिस्को। गूगल स्लाइड्स में एक नया फॉलो फीचर शुरू कर रहा है, जो यूजर्स को रियल-टाइम में अपने कलीग्स के साथ कोलैबोरेट करने की अनुमति देता है।टेक दिग्गज ने अपने वर्कस्पेस अपडेट्स ब्लॉग पोस्ट में कहा कि फॉलो फीचर मौजूदा फीचर पर बनाया गया है, जो यूजर्स को यह देखने की अनुमति देता है कि उनका कलीग किस स्लाइड पर है। नई फीचर के साथ, कोलैबोरेट अवतार पर क्लिक करके, यूजर्स स्लाइड टूलबार में उस स्लाइड पर जा सकते हैं। इसका एडमिन कंट्रोल नहीं है और यह डिफॉल्ट रूप से चालू रहेगा। गूगल ने कहा, एक कोलैबोरेट का फॉलो करने के लिए, स्लाइड टूलबार में अवतार पर क्लिक करें। यदि आप फॉलो किए गए अवतार पर होवर करते हैं, तो एक फॉलोइंग बैज दिखाई देगा। एक कोलैबोरेटर को फॉलो करना बंद करने के लिए, उनके अवतार पर फिर से क्लिक करें। इस साल की शुरूआत में, टेक दिग्गज ने गूगल डॉक्स, शीट्स या स्लाइड्स से गूगल मीट कॉल में शामिल होने की घोषणा की थी।

एनडीटीवी बोर्ड में अडानी समूह ने दो निदेशकों को नामित करने की दी मंजूरी

चेन्नई। नई दिल्ली टेलीविजन लिमिटेड (एनडीटीवी) के बोर्ड ने अडानी समूह की आरआरपीआर होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड को पूर्व के बोर्ड में दो निदेशकों को नामित करने के लिए आमंत्रित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।शुक्रवार को हुई एनडीटीवी की बोर्ड मीटिंग में यह फैसला लिया गया और बाद में दिन में इसकी जानकारी दी गई। एनडीटीवी में आरआरपीआर होल्डिंग की 29.18 फीसदी हिस्सेदारी है। एनडीटीवी ने कहा कि 23 दिसंबर को होने वाली निदेशक मंडल की अगली बैठक में नियुक्ति पर विचार किया जाएगा। अडानी समूह द्वारा आरआरपीआर होल्डिंग में 99.5 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के साथ, बाद के मूल प्रवर्तक प्रणय रॉय और राधिका रॉय ने हाल ही में निदेशक के रूप में इस्तीफा दे दिया। हालांकि, एनडीटीवी में प्रणय रॉय और राधिका रॉय की क्रमश- 15.94 प्रतिशत और 16.32 प्रतिशत हिस्सेदारी है। दूसरी ओर, सुदीप्त भट्टाचार्य, संजय पुगलिया और सेंथिल सिन्नैया चेंगलवारायण को आरआरपीआर होल्डिंग्स के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। अदानी समूह ने एनडीटीवी में 294 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक खुली पेशकश भी की है। इस बीच, 1 दिसंबर को 470.05 रुपये के उच्च स्तर को छूने के बाद एनडीटीवी शेयर की कीमतें नीचे की ओर हैं। शुक्रवार को बीएसई पर शेयर 330.95 रुपये पर बंद हुआ।

इंडियन ओवरसीज बैंक ने अपनी ब्याज दरों में संशोधन किया

चेन्नई । सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने घरेलू विदेशी मुद्रा गैर-निवासी (बैंकिंग) सावधि जमाओं पर ब्याज दरों में संशोधन किया है। बैंक ने शनिवार को यह जानकारी दी। आईओबी ने एक बयान में कहा कि घरेलू गैर-निवासी जमाकर्ताओं को 444 दिनों की अवधि वाली जमा पर 7.30 प्रतिशत तक ब्याज मिलेगा। इसी तरह तीस साल और उससे अधिक अवधि वाली जमा पर 7.25 प्रतिशत तक ब्याज दिया जाएगा। विदेशी मुद्रा जमाकर्ताओं को बैंक के साथ एफसीएनआर (बी) सावधि जमा खाता खोलने पर 4.25 प्रतिशत तक ब्याज दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री मुंबई-नागपुर सुपर एक्सप्रेसवे के पहले चरण का करेंगे उद्घाटन

नागपुर। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को मुंबई-नागपुर समृद्धि महामार्ग (सुपर कम्युनिकेशन एक्सप्रेसवे) के पहले चरण का उद्घाटन करेंगे और नए रास्ते का जायजा लेंगे। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।520 किलोमीटर लंबा पहला चरण राज्य की राजधानी मुंबई को नागपुर से जोड़ने वाली कुल 701 किलोमीटर सुपर एक्सप्रेसवे परियोजना का हिस्सा है, जो 10 जिलों से होकर गुजरती है। लगभग 55,000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित, यह एक्सप्रेसवे देश के सबसे लंबे ग्रीनफील्ड सिक्स-लेन एक्सप्रेसवे में से एक है। यह दोनों शहरों के बीच यात्रा के समय को मौजूदा 16 घंटे से घटाकर केवल 8 घंटे कर देगा। प्रधानमंत्री नागपुर मेट्रो के पहले चरण को भी समर्पित करेंगे और फ्रीडम पार्क मेट्रो स्टेशन से खपरी मेट्रो स्टेशन तक यात्रा करेंगे। साथ ही, लगभग 15,000 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजना के दूसरे चरण की नींव रखेंगे। इसके बाद, वह नागपुर रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस की नागपुर-बिलासपुर सेवा को हरी झंडी दिखाएंगे और लगभग 1,500 करोड़ रुपये की अन्य रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री 1,575 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बने अत्याधुनिक एम्स नागपुर को राष्ट्र को समर्पित करेंगे और 110 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाले नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वन हेल्थ नागपुर की आधारशिला रखेंगे। वह हीमोग्लोबिनोपैथी के अनुसंधान प्रबंधन और नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन करेंगे, और चंद्रपुर में केंद्रीय पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान को समर्पित करेंगे। इसके अलावा, वह राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना के तहत नागपुर में 1,925 करोड़ रुपये की नदी प्रदूषण उपशमन परियोजना की नींव रखेंगे।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की अगली दर वृद्धि मंदी को और बढ़ाएगी : मस्क

सैन फ्रांसिस्को।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की अगली दर वृद्धि मंदी को और बढ़ाएगी, ट्विटर के सीईओ एलन मस्क ने शनिवार को कहा है।उन्होंने एक ट्वीट करके कहा है, अगर फेड अगले सप्ताह फिर से दरें बढ़ाता है, तो मंदी बहुत बढ़ जाएगी। मस्क के पोस्ट पर कई यूजर्स ने अपने विचार व्यक्त किए। जबकि एक उपयोगकर्ता ने टिप्पणी की, किसी को भी इस बात पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है कि एलन के हाथों में पूरी तरह से समेकित शक्ति खतरनाक है। दूसरे ने कहा, यह सच है, लेकिन अगर फेडरल दरों में वृद्धि नहीं करता है तो मुद्रास्फीति बहुत बढ़ जाएगी, जो अंततः मंदी को और भी अधिक बढ़ा देगा। पिछले महीने मस्क ने कहा था कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था गंभीर मंदी की ओर बढ़ रही है और फेडरल रिजर्व को ब्याज दरों में बढ़ोतरी बंद करने की जरूरत है। मस्क ने पिछले हफ्ते कहा था कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक को तुरंत ब्याज दरों में कटौती करने की जरूरत है क्योंकि गंभीर मंदी सामने आ रही है।

ट्रंप पर प्रतिबंध लगाने से पहले ट्विटर के अधिकारियों ने अमेरिकी चुनाव में किया हस्तक्षेप: ट्विटर फाइल्स

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

एलन मस्क ने शनिवार को ट्विटर फाइल्स के तीसरे सीजन का खुलासा किया, जिसमें दावा किया गया था कि शीर्ष ट्विटर अधिकारियों ने 2020 के चुनाव से कुछ दिन पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को दबाने का प्रयास किया। बता दें कि कैपिटल हिल के दंगों के दो दिन बाद 8 जनवरी, 2021 को उन्हें हटा दिया गया, जिसमें पांच लोग मारे गए थे।पत्रकार और लेखक मैट तैयबी ने ट्विटर फाइल्स पार्ट 3 को शेयर करते हुए कहा कि 6 जनवरी से पहले के महीनों में कंपनी के भीतर मानकों का कटाव हुआ था। मस्क ने उन्हें जवाब देते हुए कहा, सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा चुनावी हस्तक्षेप स्पष्ट रूप से लोकतंत्र में जनता के विश्वास को कम करता है और यह गलत है।तैयबी के अनुसार, ट्विटर के अधिकारियों ने ट्रम्प को आंशिक रूप से हटा दिया। उन्होंने अपने अन्य ट्वीट में कहा, ट्रम्प के प्रतिबंध की ओर ले जाने वाली अधिकतर आंतरिक बहस 6-8 जनवरी के बीच हुई थी। हालांकि, कैपिटल दंगों से पहले के महीनों में बौद्धिक ढांचा तैयार किया गया था। ट्विटर फाइल्स में कहा गया है कि ये रिपोर्ट प्रमुख अधिकारियों से जुड़े डॉक्स की खोज पर आधारित हैं, जिनके नाम पहले से ही सार्वजनिक हैं। लेटेस्ट ट्विटर फाइलों ने दावा किया कि ट्विटर के अधिकारी चुनाव संबंधी कंटेट के मॉडरेशन के बारे में संघीय प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों के साथ स्पष्ट रूप से संपर्क में थे। मस्क ने ट्रंप को ट्विटर पर फिर से बहाल कर दिया है। हालांकि, ट्रंप ने अभी तक कोई ट्वीट नहीं किया है।

स्थापना के बाद से बीएसएनएल का कुल शुद्ध घाटा 57,671 करोड़ रुपये

नई दिल्ली।

31 मार्च, 2022 तक बीएसएनएल का कुल शुद्ध घाटा 57,671 करोड़ रुपये है, जबकि एमटीएनएल का 14,989 करोड़ रुपये है। यह जानकारी शुक्रवार को संसद में दी गई।संचार मंत्रालय के अनुसार, बीएसएनएल और एमटीएनएल के घाटे के कारणों में वर्षों से उच्च कर्मचारी लागत, कर्ज का बोझ, बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा और 4जी सेवाओं की कमी (कुछ क्षेत्रों में सीमित आधार को छोड़कर) हैं। 23 अक्टूबर, 2019 को सरकार ने बीएसएनएल और एमटीएनएल के पुनरुद्धार योजना को मंजूरी दी। इसने अन्य बातों के साथ-साथ स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) के माध्यम से कर्मचारी लागत में कमी, संप्रभु गारंटी बांडों को बढ़ाकर ऋण पुनर्गठन, पूंजी प्रवाह के माध्यम से 4 जी सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक आवंटन, कोर और गैर-कोर संपत्तियों के मुद्रीकरण, और इन- बीएसएनएल और एमटीएनएल के विलय को सैद्धांतिक मंजूरी राज्यसभा में एक लिखित जवाब में दी गई। इनके परिणामस्वरूप, वित्तीय वर्ष 2020-21 से बीएसएनएल और एमटीएनएल ईबीआईटीडीए (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले कमाई) सकारात्मक हो गए हैं। इसके अलावा, बीएसएनएल को एक व्यवहार्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में बदलने के लिए सरकार ने 27 जुलाई, 2022 को बीएसएनएल के लिए 1.64 लाख करोड़ रुपये के पुनरुद्धार पैकेज को मंजूरी दी। उपायों के रूप में बीएसएनएल के साथ भारत ब्रॉडबैंड निगम लिमिटेड (बीबीएनएल) का विलय करके अपनी बैलेंस शीट पर जोर देना और अपने फाइबर नेटवर्क को बढ़ाना बताया गया। मंत्रालय ने कहा कि इन उपायों के कार्यान्वयन के साथ बीएसएनएल के कायापलट और लाभ कमाने वाली इकाई बनने की उम्मीद है। मंत्रालय ने सूचित किया कि दूरसंचार अवसंरचना के विकास और दूरसंचार सेवाओं के विस्तार में निजी दूरसंचार कंपनियों के साथ-साथ बीएसएनएल और एमटीएनएल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बीएसएनएल और एमटीएनएल भारत सरकार की नागरिक केंद्रित योजनाओं को लागू करने के लिए विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण हैं। बीएसएनएल ने 30 सितंबर, 2022 तक 24,58,827 एफटीटीएच कनेक्शन प्रदान किए हैं। इसके अलावा, सरकार की आत्मनिर्भर पहल के अनुरूप, बीएसएनएल को भारतीय 4जी स्टैक तैनात करने का निर्देश दिया गया था। बीएसएनएल ने अक्टूबर 2022 में एक लाख 4जी साइटों की जरूरत के लिए निविदा जारी की थी।

एलपीजी इंश्योरेंस कवर में होता है 50 लाख तक का बीमा

- रसोई गैस कनेक्शन लेते ही कनेक्शन लेने वाले का हो जाता है बीमा

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

अगर आपके घर में रसोई गैस की वजह से कोई दुर्घटना होती है तो आप ऑयल कंपनी से नुकसान की भरपाई ले सकते हैं। बहुत कम लोगों को ही पता है कि रसोई गैस कनेक्शन लेते ही कनेक्शन लेने वाले का बीमा हो जाता है। इस पालिसी को एलपीजी इंश्योरेंस कवर कहते हैं। एलपीजी इंश्योरेंस कवर में 50 लाख रुपए तक का बीमा होता है। यह गैस सिलेंडर की वजह से होने वाली किसी भी प्रकार की दुर्घटना में जान-माल के नुकसान के लिए दिया जाता है। गैस कनेक्शन के लेते ही आपका 40 लाख रुपए का एक्सीडेंटल बीमा हो जाता है। इसके अलावा सिलेंडर फटने से किसी इंसान की मृत्यु होती है तो 50 लाख रुपए तक का क्लेम किया जा सकता है। हादसे में ग्राहक की प्रॉपर्टी या घर को नुकसान पहुंचता है तो प्रति एक्सीडेंट 2 लाख रुपए तक का इंश्योरेंस क्लेम मिलता है। सिलेंडर जिसके नाम पर है सिर्फ उसी को इंश्योरेंस की राशि मिलती है। आप किसी को भी इस पॉलिसी में नॉमिनी नहीं बना सकते हैं। जब भी आप सिलेंडर लें तो इस बीमा कवर का लाभ लेने के लिए इस बात का ध्यान जरूर रखें की आपके सिलेंडर की एक्सपायरी डेट न बीत चुकी हो। आपको हमेशा एक्सपायरी डेट देखकर ही सिलेंडर लेना चाहिए क्योंकि ये इंश्योरेंस सिलेंडर की एक्सपायरी डेट से लिंक होता है। क्लेम का फायदा सिर्फ उन्हीं लोगों को मिलता है जिनके सिलेंडर का पाइप चूल्हा और रेगुलेटर आईएसआई मार्क का होता है। दुर्घटना के बाद क्लेम लेने का तरीका सरकारी वेबसाइट मायएलपीजी.इन पर दिया गया है। ग्राहक को दुर्घटना होने के 30 दिनों के अंदर अपने डिस्ट्रीब्यूटर और पास के पुलिस को हादसे की सूचना देनी होती है। एफआईआर की कॉपी जरूर लेनी चाहिए। सिलेंडर के कारण हादसा होने पर मिलने वाले बीमा का पूरा खर्चा इंडियन ऑयल कंपनियां ही देती हैं।

ऑनलाइन दवाइयों की बिक्री मै छूट गैरकानूनी

नई दिल्ली । देश में ऑनलाइन दवाइयों की मांग और बिक्री बढ़ती जा रही है। कई कंपनियां इसमें 30 से 40 फ़ीसदी तक की छूट दे रही हैं।ड्रग्स और कॉस्मेटिक रूल्स का उल्लंघन बताया जा रहा है। नीति आयोग के सदस्य डॉ बीके पाल और ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन आफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों की एक बैठक इस संदर्भ में हुई है।ऑनलाइन दवाइयों की बिक्री गैरकानूनी तरीके से हो रही है। इस पर रोक लगाने का सुझाव केंद्र सरकार को भेजने का निर्णय दोनों संगठनों ने मिलकर लिया है। बैठक में कहा गया कि इस तरीके की छूट और बिक्री दोनों ही ड्रग्स और कॉस्मेटिक नियमों का उल्लंघन है। सूत्रों के अनुसार हर साल दवा कंपनियों द्वारा अरबों रुपए की नजराना राशि देकर अपने हिसाब से कानून बनवाए जाते हैं। ऑनलाइन कंपनियों द्वारा छूट देकर इसका लाभ सीधे ग्राहकों तक पहुंचाया जा रहा है। जिसके कारण दवा कंपनियों की हालत आर्थिक दृष्टि से खराब हो रही है। कहीं-कहीं इसमें दवाओं की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

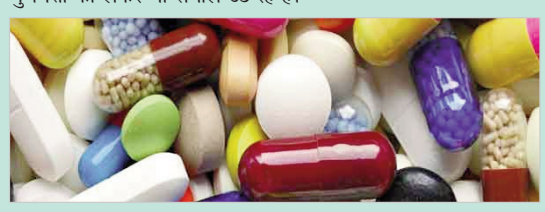

चीन ने की 32 टन सोने की खरीद की पुष्टि गोल्ड रिजर्व बढ़कर 1980 टन हुआ

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

सेंट्रल बैंक द्वारा जुलाई से सितंबर के मध्य की गई करीब 400 टन सोने की खरीद का रहस्य गहराने के बाद चीन ने नवंबर में 32 टन सोने की खरीद की पुष्टि की है। इस खरीद के बाद चीन का गोल्ड रिजर्व बढ़ कर 1980 टन हो गया है। वर्ल्ड गोल्ड काऊंसिल के आंकड़ों के अनुसार सेंट्रल बैंकों ने इस वर्ष जुलाई से सितम्बर तक 399.3 टन का सोना खरीदा। इस खरीद में से तुर्की उज्बेकिस्तान और भारत ने क्रमशः 31.2 टन 26.1 टन और ने 17.5 टन सोना खरीदा था और अन्य करीब 300 टन सोने की खरीद को लेकर रहस्य बना हुआ था लेकिन अब चीन ने साफ किया है कि उसने अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि की है। इसके पहले वाली तिमाही यानी अप्रैल से मई के बीच इन बैंकों ने 186 टन सोना खरीदा था। जनवरी से मार्च के बीच 87.7 टन सोना खरीदा गया था। 1967 के बाद सेंट्रल बैंकों ने सोने की इतनी बड़ी मात्रा में कभी खरीदारी नहीं की। ऑफ चाइना ने अपने भंडार में मौजूद सोने के बारे में आखिरी बार जानकारी सितम्बर 2019 में दी थी इसलिए चीन की खरीदारियों की ताजा ठोस जानकारी सामने नहीं आई थी। बुलियन मार्केट पर नजर रखने वाली वैबसाइट ने चीन द्वारा की गई इस खरीद को लेकर विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित की है। वैबसाइट ने नवम्बर महीने में 300 टन सोने की खरीद रहस्यमयी तरीके से किए जाने की पुष्टि की है। इस रहस्यमयी खरीद को लेकर चीन पर सवाल इसलिए भी उठ रहे थे क्योंकि चीन ऐसी खरीदारी पहले भी कर चुका है। 2009 से चुप्पी साधे रखने के बाद 2015 में उसने यह बता कर दुनिया को चौंका दिया कि उसके भंडार में 600 टन सोना है। इसके बाद चीन ने 2016 में सोने की आधिकारिक खरीद की पुष्टि की थी और फिर 2019 में आखिरी बार अपने गोल्ड रिजर्व की आधिकारिक जानकारी दी थी।

फ्रैंकफर्ट में उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने की भारतीय उद्योग प्रमुखों से मुलाकात

लखनऊ। (एजेंसी)

अगले वर्ष 10 से 12 फरवरी के मध्य लखनऊ में होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए विदेशों में योगी सरकार के प्रतिनिधिमंडल का रोड शो शुरू हो गया है।

जर्मनी की राजधानी फ्रैंकफर्ट में सीएम योगी के निर्देश पर एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को रोड शो के जरिए विदेशी निवेशकों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। इससे पहले गुरुवार को भी योगी सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने फ्रैंकफर्ट में भारतीय व्यापारिक नेताओं से मुलाकात की और भारतीय उद्योग समुदाय को उत्तर प्रदेश में अपने व्यापार का विस्तार करने और यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। इस प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता (नंदी) और लोक निर्माण विकास मंत्री जितिन प्रसाद ने की।

इनके साथ खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल, आबकारी आयुक्त सेंथिल सी पांडियन और एमएसएमई विभाग के सचिव प्रांजल यादव सहित वरिष्ठ सरकारी अधिकारी मौजूद रहे। योगी सरकार का प्रतिनिधिमंडल 8 दिसंबर को फ्रैंकफर्ट पहुंचा और पहुंचते ही अपना मिशन शुरू कर दिया। प्रतिनिधिमंडल ने जर्मनी के काउंसिल जनरल द्वारा आयोजित डिनर के दौरान कुछ विख्यात भारतीय व्यापारिक समूहों के प्रमुखों से मुलाकात की।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने इन व्यापारिक प्रमुखों से उत्तर प्रदेश को अपने निवेश गंतव्य के रूप में चुनने का आग्रह किया। इस अवसर पर लॉजिस्टिक, टेक्सटाइल, हेल्थकेयर एंड फार्मा, टूरिज्म, ऑटोमोटिव और ईवी जैसे क्षेत्रों में निवेश और कौशल विकास व कुशल-श्रम के आदान-प्रदान पर भी चर्चा की गई। वहीं योगी सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने फ्रैंकफर्ट में सैमसन एजी मुख्यालय का दौरा किया और सैमसन के सीईओ एंड्रियास विडल को यूपीजीआईएस-23 के लिए आमंत्रित किया।

मालूम हो कि सैमसन एजी आरएंडडी और ग्रीन हाइड्रोजन निर्माण का उत्तर प्रदेश में करना चाहती है।

इससे पहले यूरोप मदरसन ग्रुप के अध्यक्ष एवं कार्यालय के प्रमुख एंड्रियास ह्यूसर ब्रुचकोबेल ने यूपी सरकार के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

ई-नीलामी से बिकेगी रिलायंस कैपिटल लिमिटेड 19 दिसंबर से शुरू होगी नीलामी प्रक्रिया

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

कर्ज में फंसी अनिल अंबानी की रिलायंस कैपिटल लिमिटेड की बिक्री प्रक्रिया पर नया अपडेट है। दरअसल कर्जदाताओं ने कंपनी की बोली लगाने वाले बोलीदाताओं के लिए ई-नीलामी के संचालन से संबंधित नियमों एवं प्रक्रिया को लगभग अंतिम रूप दे दिया है। सूत्रों के अनुसार रिलायंस कैपिटल की एसेट्स के लिए ई-नीलामी 19 दिसंबर को शुरू होगी। इस नीलामी के लिए 5300 करोड़ रुपए का आधार मूल्य होगा। कॉस्मिया-पीरामल गठजोड़ ने यह बोली लगाई थी। पहले दौर की नीलामी में बोलीकर्ताओं को आधार मूल्य से अधिक की बोली लगानी होगी।

यह पहला मौका है जब इतने बड़े पैमाने पर किसी कर्ज से दबी कंपनी की ई-नीलामी की जाएगी। ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता के तहत रिलायंस कैपिटल के लिए बोलियां लगाई जाएंगी। सूत्रों ने कहा कि बढ़ती हुई बोलियों वाली ई-नीलामी करने का निर्णय एलआईसी और ईपीएफओ के आग्रह पर लिया गया है। सरकारी नियंत्रण वाली इन दोनों इकाइयों का कर्जदाता समिति में सम्मिलित नियंत्रण 35 प्रतिशत का है।

बता दें कि रिलायंस कैपिटल के लिए चार बाध्यकारी बोलियां मिली थीं। इनके अलावा ओकट्री हिंदुजा और टॉरेंट ग्रुप ने भी बोलियां लगाई थीं। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में कार्यरत रिलायंस कैपिटल के निदेशक मंडल को पिछले साल नवंबर में रिजर्व बैंक ने बर्खास्त करते हुए नागेश्वर राव वाई को प्रशासक नियुक्त कर दिया था। रिलायंस कैपिटल दिवाला संहिता के तहत नीलामी में जाने वाली तीसरी एनबीएफसी है। इसके पहले श्रेई ग्रुप और डीएचएफएल की नीलामी हो चुकी है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 561.162 अरब डॉलर

- पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 550.14 अरब डॉलर पहुंच गया था

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के मुताबिक देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो दिसंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान 11.02 अरब डॉलर बढ़कर 561.162 अरब डॉलर पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.9 अरब डॉलर बढ़कर 550.14 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। वहीं 11 नवंबर को समाप्त सप्ताह में देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार 14.72 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी। गौरतलब है कि अक्टूबर 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था। केंद्रीय बैंक ने कहा कि कुल मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली फॉरेन करेंसी एसेट्स (एफसीए) दो दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 9.694 अरब डॉलर बढ़कर 496.984 अरब डॉलर हो गईं। एफसीए में यूरो पौंड और येन जैसी गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई गिरावट व बढ़त के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। इसके अलावा स्वर्ण भंडार का मूल्य समीक्षाधीन सप्ताह में 1.086 अरब डॉलर बढ़कर 41.025 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) 16.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.04 अरब डॉलर रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में रखा देश का मुद्रा भंडार भी 7.5 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 5.108 अरब डॉलर रह गया। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक (एसबीपी) का विदेशी मुद्रा भंडार दो दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 78.4 करोड़ डॉलर घटकर चार साल के निचले स्तर 6.72 अरब डॉलर पर आ गया। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पहले 18 जनवरी 2019 को केंद्रीय बैंक के पास मुद्रा भंडार 6.64 अरब डॉलर था। आंकड़ों के अनुसार वाणिज्यिक बैंकों के पास कुल विदेशी मुद्रा भंडार 5.86 अरब डॉलर रहा। इसको लेकर देश में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 12.58 अरब डॉलर है।

ईशान किशन की तूफानी पारी के आगे बेबस हुई बांग्लादेश की टीम, सीरीज गंवाकर भी जीता दिल

चटगांव (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच तीन वनडे मुकाबलों की के अंतिम मैच में भारत की टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 227 रनों से मैच जीता। बांग्लादेश की टीम को 182 रनों पर ऑलआउट कर दिया। हालांकि टीम सीरीज पर कब्जा नहीं कर सकी मगर तीसरे वनडे मुकाबले में ईशान किशन और विराट कोहली की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी ने फैंस का दिल जीत लिया।

बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे मुकाबले में भारत की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की 410 रनों का टारगेट दिया। ये मुकाबला भारतीय खिलाड़ियों के लिए काफी शानदार साबित हुआ। बांग्लादेश की टीम का पहला विकेट अनामुल हक के तौर पर गिरा। वो आठ रन बनाकर अक्षर पटेल का शिकार हुए। मोहम्मद सिराज ने कप्तान लिटन दास को 29 रन के स्कोर पर चलता किया। इसके बाद बांग्लादेश की टीम टिक नहीं सकी। मुश्फिकुर रहीम को क्लीन बोल्ड कर पवेलियन भेजा गया। इसके बाद लगातार टीम के विकेट गिरते गए।

सलामी बल्लेबाज इशान किशन ने बेखौफ बल्लेबाजी करते हुए एकदिवसीय क्रिकेट का सबसे तेज दोहरे शतक जड़ने के साथ विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 190 गेंद में 290 रन की साझेदारी की। भारतीय टीम इसके बाद आठ विकेट खोकर 409 रन ही बना सकी। इस पारी में ईशान किशन ने 131 गेंद की पारी में 24 चौके और 10 छक्के की मदद से 210 रन बनाये। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी के सामने पूर्व कप्तान कोहली की 91 गेंद में 11 चौके और दो छक्के जड़ित 113 रन की पारी फीकी नजर आयी।

इशान ने 126 गेंद में अपना दोहरा शतक पूरा किया जो इस प्रारूप का सबसे तेज दोहरा शतक है। इससे पहले पुरुष क्रिकेट में यह रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम था। उन्होंने 2015 विश्व कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ 138 गेंद में दोहरा शतक पूरा किया था। इशान एक दिवसीय फॉर्मेट में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज भी बन गये। उन्होंने 24 साल और 145 दिन की उम्र में दोहरा शतक पूरा किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम था जिन्होंने 26 साल और 186 दिन की उम्र में अपना पहला दोहरा शतक (2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) लगाया था। एकदिवसीय में यह भारत का चौथा सबसे बड़ा स्कोर है।

किशन और कोहली के आउट होने के बाद लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे और टीम आखिरी 10 ओवर में सिर्फ 70 रन ही बना सकी। किशन ने 85 गेंद में एकदिवसीय प्रारूप का पहला शतक लगाने के बाद टी20 अंदाज में बल्लेबाजी की और चौके-छक्के की बौछार कर दी। उन्होंने अपनी पारी में 156 रन सिर्फ बाउंड्री से बनाये। झारखंड का यह बल्लेबाज वनडे में दोहरा शतक लगाने वाला भारत चौथ और कुल सातवां बल्लेबाज है। उन्होंने 35वें ओवर की आखिरी गेंद पर मुस्तफिजुर रहमान के खिलाफ एक रन लेकर अपना दोहरा शतक पूरा किया।

वह अपने पहले एकदिवसीय शतक को दोहरा शतक में बदलने वाले इकलौते बल्लेबाज बने। दूसरे छोर से कोहली भी अपने रंग में दिखे। एकदिवसीय में यह उनकी 44वीं शतकीय पारी है जिससे उनकी कुल शतकों की संख्या 72 हो गयी। इस प्रारूप में कोहली ने लगभग तीन साल के बाद शतक लगाया। टी 20 विश्व कप में हारिस रउफ के खिलाफ जिस तरह से उन्होंने मुश्किल छक्का जड़ा था उसी तरह से इबादत हुसैन की गेंद को दर्शकों के पास पहुंचा कर उन्होंने 86 गेंद में अपना शतक पूरा किया। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर (100 शतक) के बाद सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये है।

तीन मैचों की श्रृंखला में शुरुआती दोनों मैचों हार का सामना करने वाली भारतीय टीम ने चोटिल कप्तान रोहित शर्मा की जगह किशन को टीम में शामिल किया और इस बल्लेबाज ने शिखर धवन के साथ पारी की शुरुआत की। धवन और उनकी साझेदारी सिर्फ 4.1 ओवर तक ही चली। मेहदी हसन ने धवन को तीन रन पर पगबाधा आउट कर दिया। इस ऑफ स्पिनर की गेंद पर कप्तान लिटन दास ने कोहली का कैच टपका कर जीवन दान दिया। इसके बाद किशन और कोहली ने आसानी से मैदान की हर तरफ रन बटोरे।

दोनों दौड़कर रन चुराने की जगह बाउंड्री लगाने पर ज्यादा ध्यान दे रहे थे। किशन के दोहरे शतक के जश्न में कोहली भी शामिल हुए। उन्होंने मैदान पर भांगड़ा कर के इस युवा बल्लेबाज के साथ खुशी साझा की। दोनों के पवेलियन लौटने के बाद भारतीय पारी लड़खड़ाने लगी और इसका असर रन गति पर पड़ा। वॉशिंगटन सुंदर ने 27 गेंद में 37 रन की पारी खेलकर टीम के स्कोर को 400 के पार पहुंचाने में मदद की।

पीटी उषा भारतीय ओलंपिक संघ की पहली महिला अध्यक्ष बनी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। अपने जमाने की दिग्गज धाविका पीटी उषा को शनिवार को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) का पहला महिला अध्यक्ष चुना गया जिससे भारतीय खेल प्रशासन में नए युग की शुरुआत भी हुई। एशियाई खेलों में कई पदक जीतने वाली और 1984 के लॉस एंजलिस ओलंपिक खेलों में 400 मीटर की बाधा दौड़ में चौथे स्थान पर रही 58 वर्षीय उषा को चुनाव के बाद शीर्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त किए गए उसके पूर्व जज नागेश्वर राव की देखरेख में संपन्न हुए।

उषा के अध्यक्ष चुने जाने से आईओए में गुटीय राजनीति के कारण पैदा हुआ संकट भी समाप्त हो गया। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने इस महीने चुनाव नहीं कराने की दशा में आईओए को निलंबित करने की चेतावनी दी थी। इन चुनावों को दिसंबर 2021 में होना था। उषा का शीर्ष पद पर चुना जाना पिछले महीने ही तय हो गया था क्योंकि वह अध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने वाली एकमात्र प्रत्याशी थी। किसी ने भी उषा का विरोध नहीं किया जिन्हें जुलाई में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने राज्यसभा के लिए नामित किया था।

भारत-पाक क्रिकेट को लेकर बोले जयशंकर देखते हैं आगे क्या होता

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एशिया कप के लिए अपनी टीम पाकिस्तान नहीं भेजे जाने की घोषणा के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी भारत में होने वाले विश्वकप के बहिष्कार की बात कही है। अब इसी मामले पर पहली बार भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर का बयान आया है। जयशंकर ने कहा है कि टूर्नामेंट आते रहते हैं और आप सरकार का रुख जानते हैं। देखते हैं आगे क्या होता है। उन्होंने कहा हमें यह कभी स्वीकार नहीं करना चाहिए कि एक देश जिसके पास आतंकवाद का अधिकार है। हमें उसे अवैध बनाना होगा और इसके लिए उस देश पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनना चाहिए। यह दबाव तब बना रहेगा जब आतंकवाद के शिकार लोग अपनी आवाज उठाएंगे। हमें इसमें नेतृत्व करना होगा क्योंकि हमें आतंकवाद से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। वहीं भारत-पाक के बीच फिर से बातचीत शुरू करने के बारे में जयशंकर ने कहा कि यह एक कठिन मामला है। अगर आपका पड़ोसी आतंकवाद में सहायता करता है तो बातचीत कैसे की जा सकती है। ये सभी जानते हैं कि आतंक का साथी कौन हैं शिविर कहां है? हमें यह कभी नहीं सोचना चाहिए कि सीमा पार आतंकवाद सामान्य है। मुझे एक और उदाहरण दें जहां एक पड़ोसी दूसरे के खिलाफ आतंकवाद को प्रायोजित कर रहा हो। ऐसा कोई उदाहरण नहीं है। एक तरह से यह असामान्य भी नहीं बल्कि असाधारण है।इससे पहले बीसीसीआई ने कहा था कि यह सुरक्षा संबंधी मामला है और ऐसे में एशिया कप के लिए पाक जाने पर फैसला सरकार को ही लेना है।

मार्च में होंगे महिला आईपीएल मुकाबले

-पांच फ्रेंचाइजियों के बीच कुल 22 मैचों का आयोजन होगा

मुम्बई। देश में पहली बार होने जा रहे महिला आईपीएल मुकाबले तीन से 26 मार्च तक होंगे। बीसीसीआई का लक्ष्य महिला टी20 विश्व कप 2023 के समाप्त होने के एक सप्ताह बाद ही इस टूर्नामेंट का आयोजन करना है। विश्व कप मुकाबले 10 से 26 फरवरी के बीच खेले जाएंगे। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई विदेशी महिला क्रिकेटरों की उपलब्धता के कारण ही इन तारीखों पर महिला आईपीएल कराने जा रही है। इस संबंध में हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इस साल अक्टूबर में बीसीसीआई ने महिला आईपीएल कराने की औपचारिक घोषणा की थी। इसमें तय योजना के अनुसार पांच आईपीएल फ्रेंचाइजियों के बीच कुल 22 मैचों का आयोजन होगा। इसमें सभी टीमों के पास 18 खिलाड़ियों का दल हो सकता है। इसमें छह विदेशी खिलाड़ियों को भी शामिल किया जाएगा। अंतिम ग्यारह में पांच विदेशी खिलाड़ी जोड़े जा सकते हैं। लीग स्तर पर हर टीम अन्य चार फ्रेंचाइजी के साथ दो-दो मैच खेलगी। इस प्रकार लीग स्तर पर ही 20 मैचों का आयोजन होगा। इसमें टेबल टॉपर को सीधे फाइनल में प्रवेश मिलेगा जबकि दूसरे और तीसरे नंबर की टीम के बीच एलिमिनेटर दौर होगा। इसमें विजेता टीम टेबल टॉपर से खिताबी मुकाबले में उतरेगी।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया के बेटे को आजीवन सदस्य के रूप मध्यप्रदेश क्रिकेट संगठन में शामिल किया गया

इंदौर (एजेंसी)। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के 27 वर्षीय बेटे महानआर्यमन सिंधिया को आजीवन सदस्य के रूप में मध्यप्रदेश क्रिकेट संगठन (एमपीसीए) में शामिल किया गया है। एमपीसीए के एक शीर्ष पदाधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस साल अप्रैल में ग्वालियर के संभागीय क्रिकेट संगठन के उपाध्यक्ष बनाए गए महानआर्यमन, एमपीसीए में खासा रसूख रखने वाले पूर्व ग्वालियर राजवंश की तीसरी पीढ़ी के नुमाइंदे हैं जो अब औपचारिक तौर पर इस संगठन का हिस्सा हो गए हैं। इससे पहले, उनके दिवंगत दादा माधवराव सिंधिया और पिता ज्योतिरादित्य सिंधिया एमपीसीए के शीर्ष पदों पर रह चुके हैं। एमपीसीए के अध्यक्ष अभिलाष खांडेकर ने इंदौर स्थित संगठन की वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) के बाद संवाददाताओं को बताया, ''एजीएम से पहले नियमित प्रक्रिया के तौर पर एमपीसीए में शामिल किए गए छह नये सदस्यों में महानआर्यमन सिंधिया शामिल हैं। इनमें से महानआर्यमन को आजीवन सदस्य बनाया गया है।' खांडेकर ने कहा कि महानआर्यमन ग्वालियर संभाग क्रिकेट संगठन के उपाध्यक्ष हैं और संभाग में क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए पिछले छह-सात सालों से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एमपीसीए की सदस्यता के लिए अन्य लोगों के अलावा केंद्रीय मंत्री के बेटे का आवेदन भी ''पिछले कई दिनों से लम्बित' था। एमपीसीए की होलकर स्टेडियम में आयोजित एजीएम में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया संगठन के सदस्य के तौर पर शामिल हुए। महानआर्यमन को एमपीसीए की सदस्यता दिए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने अपने बेटे के नाम का उल्लेख किए बगैर कहा, ''जिन लोगों में खेल-कूद और क्रिकेट के प्रति रुचि है, हमें ऐसे सभी लोगों को एमपीसीए से जोड़कर संगठन को आगे ले जाना है। हमने एमपीसीए प्रबंधन से निवेदन किया है कि वे सभी नये-पुराने सदस्य जो खेल के विकास में पूर्ण रूप से योगदान करना चाहते हैं, उनका इस क्षेत्र में पूरा इस्तेमाल होना चाहिए।' गौरतलब है कि लोढ़ा समिति की सिफारिशों के चलते ज्योतिरादित्य सिंधिया और संजय जगदाले सरीखे वरिष्ठ क्रिकेट प्रशासकों को एमपीसीए के अपने अहम ओहदे जनवरी 2017 में छोड़ने पड़े थे क्योंकि तब दोनों को इस संगठन की प्रबंध समिति के अलग-अलग पदों पर रहते नौ साल से अधिक का समय हो गया था।

खिलाड़ियों का चोटिल होना और टी20 पर अधिक ध्यान रहा हार का कारण : राहुल

चटोग्राम । भारतीय क्रिकेट टीम के कार्यवाहक कप्तान लोकेश राहुल ने बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में भारतीय टीम की हार का कारण बताया है। राहुल ने कहा है कि खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण ही टीम के हाथ से एकदिवसीय मैच निकले हैं। तीसरे एकदिवसीय मैच में टॉस के बाद राहुल ने कहा खिलाड़ियों का चोटिल होना इस दौरे पर एक बड़ी समस्या रही है हालांकि इससे नये खिलाड़ियों को भी अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि नियमित कप्तान रोहित शर्मा और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर दीपक चाहर फिट नहीं हैं। इसी कारण ईशान किशन और कुलदीप यादव को शामिल किया गया है। एक टीम के रूप में हमारे पास हमेशा गुणवत्ता रही है। इसी कारण हमारे पास शामिल करने के लिए योग्य खिलाड़ी रहते हैं। अभी हमारे लिए व्यक्तिगत रूप से बेहतर होना और विभिन्न हालातों में रन बनाना अहम है। इसके साथ ही हमने लंबे समय से एकदिवसीय क्रिकेट नहीं खेला है। इसका भी प्रभाव पड़ा। बीच के दौर में हमारा ध्यान टी20 प्रारुप पर था। हम हमेशा जीतना चाहते हैं और देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं पर कभी-कभी ऐसा नहीं होता। ऐसा कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं होता है जिसमें दबाव ना होता हो। हमारा लक्ष्य निडर होकर खेलना रहा है।

एल्गर के शतक से यहां दक्षिण अफ्रीका ने बनाये 335 रन

ब्रिसबेन। कप्तान डीन एल्गर के शतक से यहां दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया 11 के खिलाफ खेले गए मैच के पहले ही दिन सात विकेट पर 335 रन लिए। एल्गर ने 186 गेंदों पर 9 चौके लगाकर 109 रन बनाए। इसके अलावा काइल ने नाबाद 76 रन बनाये।

दक्षिण अफ्रीकी टीम अपने इस ऑस्ट्रेलिया दौरे में तीन टेस्ट और तीन एकदिवसीय खेलेगी। 17 दिसंबर से होने वाले पहले टेस्ट से पहले अफ्रीकी टीम ऑस्ट्रेलिया 11 से अभ्यास मैच खेल रही है। ब्रिसबेन के मैदान पर पहले खेलते हुए अफ्रीका ने अच्छी शुरूआत की। ओपनर सेरेल ने 25 वेन दर दूसें ने 27 खाया जोंडो ने 18 तो ड ब्रूयन ने 13 रन बनाये। इसके अलावा काइल ने 86 गेंदों में 13 चौके और एक छक्के की सहायता से 76 रन बनाकर स्कोर आगे बढ़ाया।

दक्षिण् अफ्रीका की ओर से केशव महाराज ने भी 34 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मैथ्यू कुह्नमैन ने 78 रन देकर चार विकेट जबकि क्रिस लियाम हेक्टर और नील स्मिथ ने 1-1 विकेट लिया।

फीफा विश्वकप : अर्जेंटीना सेमीफाइनल में पहुंची नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में हराया

लुसैल (एजेंसी)। (ईएमएस)। कप्तान लियोनेल मेसी के शानदार प्रदर्शन से अर्जेंटीना फीफा विश्वकप फुटबॉल के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। अर्जेंटीना ने एक कड़े क्वार्टर फाइनल मुकाबले में नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराया। मेसी ने शूटआउट में अपनी पेनल्टी को गोल में बदला। इसके बाद लुटारो मार्टिनेज ने निर्णायक गोल किया। वहीं टीम के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने दो गोल रोककर डच टीम की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। यह मैच अतिरिक्त समय में 2-2 से बराबरी पर था।इसके बाद परिणाम के लिए पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया जिसमें अर्जेंटीना भारी पड़ गयी।

मेसी ने एक गोल किया जबकि एक गोल करने में सहायता की। वहीं नीदरलैंड ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के 11वें मिनट में गोल करके मैच को बराबरी पर ला दिया। अब सेमीफाइनल में अर्जेंटीना का मुकाबला मंगलवार को क्रोएशिया से होगा। वहीं क्रोएशियाई टीम ने एक अन्य क्वार्टर

फाइनल में ब्राजील को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया। साल 1990 के बाद यह दूसरा अवसर है जब अर्जेंटीना की टीम विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंची है। इससे पहले मेसी साल 2014 में उस टीम भी भी शामिल थे जो फाइनल में जर्मनी से हार गयी।

मेसी का लक्ष्य अब टीम को खिताब जिताना रहेगा क्योंकि अपने करियर में वह एक बार भी टीम को विश्वकप नहीं जिता पाये हैं। इस मैच में मेसी ने खेल के 35वें मिनट में शानदार प्रदर्शन करते हुए मूव बनाया। जिसपर नाहुएल मोलिना ने गोल किया। इसके बाद 73वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर अर्जेंटीना को 2-0 से बढ़त दिलाई। यह उनका वर्तमान विश्वकप में चौथा गोल था। अब तक के सभी विश्वकप में मेसी ने कुल मिलाकर 10 गोल किये हैं। इस प्रकार उन्होंने उन्होंने गैब्रियल बतिस्तुता के रिकॉर्ड की बराबरी की है।

मेसी के नाम पर अब 169 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 94 गोल दर्ज हैं। वहीं नीदरलैंड की ओर से वॉट वेगहार्स्ट ने 78वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतर कर पांचवें मिनट में ही अपनी टीम के लिए पहला गोल किया और फिर इंजरी टाइम के अंतिम क्षणों में गोल दागकर स्कोर बराबरी पर ला दिया।

पेले ने नेमार को सबसे अधिक गोल का रिकार्ड बनाने बधाई दी

साओ पाउलो । ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले ने नेमार को राष्ट्रीय टीम की ओर से सर्वाधिक गोल करने का रिकार्ड बनाने पर बधाई दी है। वहीं इससे पहले नेमार ने क्रोएशिया के खिलाफ मुकाबले में सबसे अधिक गोल करने के पेले के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। पेले आजकल बीमार हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। इसके बाद भी ब्राजील के क्वार्टर फाइनल में क्रोएशिया के हाथों पेनल्टी शूटआउट में हारने के बाद पेले ने इंस्टाग्राम पर अपना संदेश पोस्ट कर टीम का हौंसला बढ़ाया। 82 वर्षीय पेले ने नेमार को भेजे अपनी संदेश में कहा' 'मैंने आपको बड़े होते हुए देखा है और मैंने हर दिन आपके लिए जश्न मनाया है और अब मैं अंत में ब्राजील की तरफ से सर्वाधिक गोल करने के मेरे रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए आपको बधाई दे सकता हूं। हम दोनों जानते हैं कि इनका महत्व आंकड़ों से भी अधिक है। उन्होंने कहा' ' खिलाड़ी के रूप में हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य प्रेरित करना होता है। वर्तमान के हमारे साथियों भावी पीढ़ी और इन से भी बढ़कर इस खेल के चाहने वालों को प्रेरित करना है। दुर्भाग्य से आज हार के कारण हमारे लिए सबसे खुशी का दिन नहीं रहा। पेले ने कहा' 'मैंने अपना रिकॉर्ड लगभग 50 साल पहले बनाया था और अब तक उसके करीब कोई नहीं पहुंचा था। अब आप यहां तक पहुंचे हो जिससे पता चलता है यह कितनी बड़ी उपलब्धि है। नेमार ने क्रोएशिया के खिलाफ गोल दागा जो उनका अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 77वां गोल था। इसी के साथ ही उन्होंने पेले के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। ब्राजील हालांकि इस मैच में पेनल्टी शूटआउट में क्रोएशिया से 4-2 से हार गया।

पीकेएल : गुजरात और जयपुर का मुकाबला बराबरी पर रहा

हैदराबाद । गुजरात जाएंट्स और जयपुर पिंक पैंथर्स के बीच यहां हुआ वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के नौवें सत्र का 128वें मैच 51-51 से बराबरी पर रहा। इससे अंकतालिका में जयपुर की स्थिति 82 अंकों के साथ ही शीर्ष पर मजबूत हुई जबकि गुजरात की टीम 59 अंकों के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गई। जयपुर के लिए अर्जुन देसवाल ने 17 राहुल चौधरी ने 13 अंक बनाये। वहीं गुजरात की ओर से सोनी ने सबसे अधिक 14 अंक लिए जबकि परतीक दहिया ने 12 अंक हासिल किये। कप्तान के तौर पर खेले डोंग जोन ली को 10 अंक मिले। डिफेंस में रिंकू नरवाल और कपिल ने पांच अंक हासिल किये। वहीं प्लेआफ की दौड़ से पहले ही बाहर हुई गुजरात की टीम ने 8-4 की बढ़त बना रखी थी। गुजरात ने हालांकि लगातार दो अंक लेते हुए स्कोर डिफरेंस 4 का कर दिया। कप्तान के तौर पर खेल रहे राहुल ने भी सत्र का दूसरा सुपर-10 पूरा किया। जयपुर 43-33 से आगे थे। आलइन के बाद सोनू ने एक ही रेड में जयपुर के दो डिफेंडरों को साफ कर दिया। पांच मिनट बचे थे और स्कोर 46-38 से अभी भी जयपुर के अधिकार में था। गुजरात ने हालांकि लीड घटाकर 6 की कर दी। अब सिर्फ दो मिनट बचे थे। इसी बीच सोनू ने सुपर-10 पूरा किया और फिर गुजरात ने जयपुर को ऑल आउट कर स्कोर 47-50 कर दिया। एक मिनट से भी कम समय बचा था और स्कोर 49-51 था।

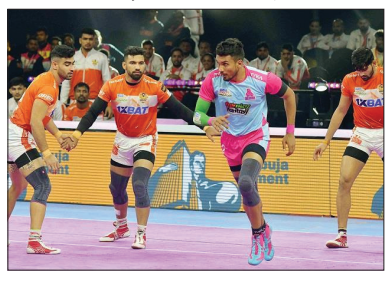

सानिया से तलाक मामले पर बोले शोएब हमारे निजी मामले में हस्तक्षेप न करे मीडिया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के क्रिकेटर शोएब मलिक ने सानिया मिर्जा से तलाश की खबरों को लेकर मीडिया के हस्तक्षेप पर नाराजगी जतायी है। शोएब ने कहा है कि यह हम दोनो का निजी मामला है। इसलिए इस मामले में किसी को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिये। इस क्रिकेटर ने कहा कि वह अपने निजी मामले में मीडिया के लगातार हस्तक्षेप से परेशान हैं।

मलिक ने कहा यह हमारा निजी मामला है। इस सवाल का जवाब न तो मैं और न ही मेरी पत्नी दे रहे हैं। इसलिए इस मामले में हमे अकेला छोड़ दो। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि सानिया और शोएब पहले से ही अलग-अलग रह रहे थे और अब उन्होंने अपने तलाक को आधिकारिक रूप देने के लिए कानूनी रास्ता अपनाया है। यह भी बताया गया कि सानिया ने कथित तौर पर शोएब को धोखा देते हुए पकड़ा था और उनके साथ अलग होने का फैसला किया था। वहीं पाक मीडिया के अनुसार यह स्टार जोड़ी पहले से ही तलाकशुदा है।

वहीं तलाक की अटकलों के कुछ दिनों बाद सानिया और शोएब दोनों ने एक साथ मिलकर द मिर्जा मलिक शो नामक एक चैट शो की घोषणा की थी। तब दोनों ने अपने शो की घोषणा करने के बाद रिपोर्ट्स में कहा गया था कि उनकी पेशेवर प्रतिबद्धताओं ने उन्हें सार्वजनिक रूप से अपने तलाक की घोषणा करने से रोक दिया था। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि आधिकारिक रूप से अलग होने से पहले शोएब और सानिया शो के सभी एपिसोड शूट करने के लिए एक अनुबंध के तहत अनुबंधित हैं। सानिया और शोएब की शादी एक दशक पहले 12 अप्रैल 2010 को हुई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दूर का दिखाने वाली दूरबीन

चिड़िया देखना हो या फिर तारे। एक दूरबीन से दो काम बहुत अच्छे से हो सकते हैं। अपनी पॉकेट मनी बचाकर अगर ऐसी कोई चीज खरीदते हो तो वह जिंदगीभर काम आएगी। दूरबीन दूर की दुनिया को तुम्हारे पास ले आएगी। जाड़े के दिनों में तो प्रकृति को, पंछियों और तारों को दूरबीन से घंटों देखा जा सकता है। कौन जाने, एक दूरबीन तुममें भी वैसी ही कुछ रुचि पैदा कर दे या फिर गैलीलियो की तरह तुम भी अपनी दूरबीन के कारण अपने दोस्तों में पहचाने जाओ। जन्मदिन पर तुम पापा-मम्मी से कोई बड़ी चीज माँगने के बजाय दूरबीन की जिद भी कर सकते हो। उन्हें भी दूरबीन दिलाने में कोई परेशानी नहीं होगी। दूरबीन से देखने पर नई दुनिया खुल जाती है। दूर की कौड़ी को पास लाने वाली दूरबीन अगर तुम्हारी दोस्त बन जाए तो क्या बात है। तो ले आओ दूर की चीजों को पास, एक दूरबीन के साथ।

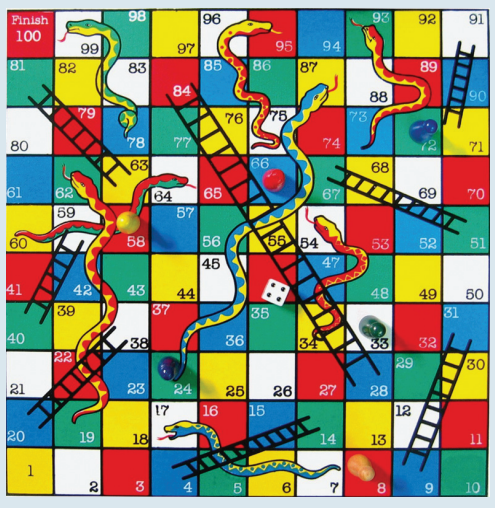

साँप-सीढ़ी खेल की शुरुआत किस देश में हुई?

बच्चों के पसंदीदा इस खेल की शुरुआत प्राचीन भारत में हुई है। पहले इसे मोक्षपत और मोक्षपतामु कहा जाता था। इसकी शुरुआत कब हुई इसका ठीक-ठीक समय तो पता नहीं पर माना जाता है यह खेल ईसा के जन्म के भी दो सौ सालों पहले से खेला जा रहा है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि ईसा के 1300 साल बाद संत ज्ञानदेव ने इसकी शुरुआत की। इस खेल के जरिए बच्चों को यह सिखाया जाता था कि अगर वे अच्छा काम करते हैं तो वे आगे बढ़ेंगे। भारत में जो खेल चलता था उसमें साँप के मुकाबले सीढ़ियों की संख्या कम होती थी। फिर यह खेल इंग्लैंड पहुँचा और वहाँ कुछ बदलाव के साथ यह स्नेक एंड लेडर्स के तौर पर पहचाना जाने लगा। यहाँ से खेल में जितने साँप हो गए उतनी ही सीढ़ियाँ हो गई। 1943 से यह खेल अमेरिका में भी खेला जाने लगा।

कैटरपिलर

कैटरपिलर का मतलब इल्ली होता है। जितनी भी तितलियाँ या मोथ हैं सभी के अंडे से पहले इल्ली बनती है। धीरे-धीरे यह कैटरपिलर बड़ी होती है और बटरफ्लाय में चेंज हो जाती है। कैटरपिलर में स्पेशल ग्लैंड होती है जिसकी सिकरिशन से वे सिल्क बनाती हैं। कैटरपिलर के सिर पर 12 छोटी-छोटी आँखें होती हैं जिसे 'ओसिली' कहा जाता है। इसके सिर पर दो जोड़ी जबड़े भी जुड़े रहते हैं, जो मेंडीबल्स कहलाते हैं।
इसकी स्किन स्ट्रेचेबल नहीं होती है इसलिए जैसे ही इसका साइज बढ़ता है इसकी स्किन टूटती जाती है। कैटरपिलर के आगे के तीन जोड़ी पैर को थोरेसिक लेग कहा जाता है और ये चलने और पकड़ने का काम करते हैं। इसकी बॉडी 13 सेगमेंट में बँटी हुई होती है। सभी इंसेक्ट की तरह यह भी शरीर पर मौजूद छेदों से साँस लेते हैं। इन छेदों को स्पाइरेकल कहा जाता है। इसके पीछे के पैरों को प्रोलेग कहा जाता है। इन पैरों से वह पौधों की डालियों को पकड़ने का काम करता है। ज्यादातर कैटरपिलर का कलर हरा होता है ताकि वे आसानी से पत्तियों में छुपे रहें। इनका मुख्य खाना ही पत्तियाँ होती हैं। लेकिन कुछ कैटरपिलर बहुत सुंदर होते हैं। जैसे कैबेज व व्हाइट कैटरपिलर पर बहुत ही सुंदर स्पाट होते हैं। टाइगर मोथ एकदम लाल रंग का होता है। पस मॉथ का शेप एकदम अलग ढंग का होता है। एम्ग्रर मॉथ हरे रंग का बहुत सुंदर कैटरपिलर होता है। वैसे तो मॉथ के सभी कैटरपिलर सिल्क बनाते हैं, लेकिन जो सबसे अच्छी क्वालिटी का सिल्क देता है उसे सिल्क वर्म कहा जाता है।

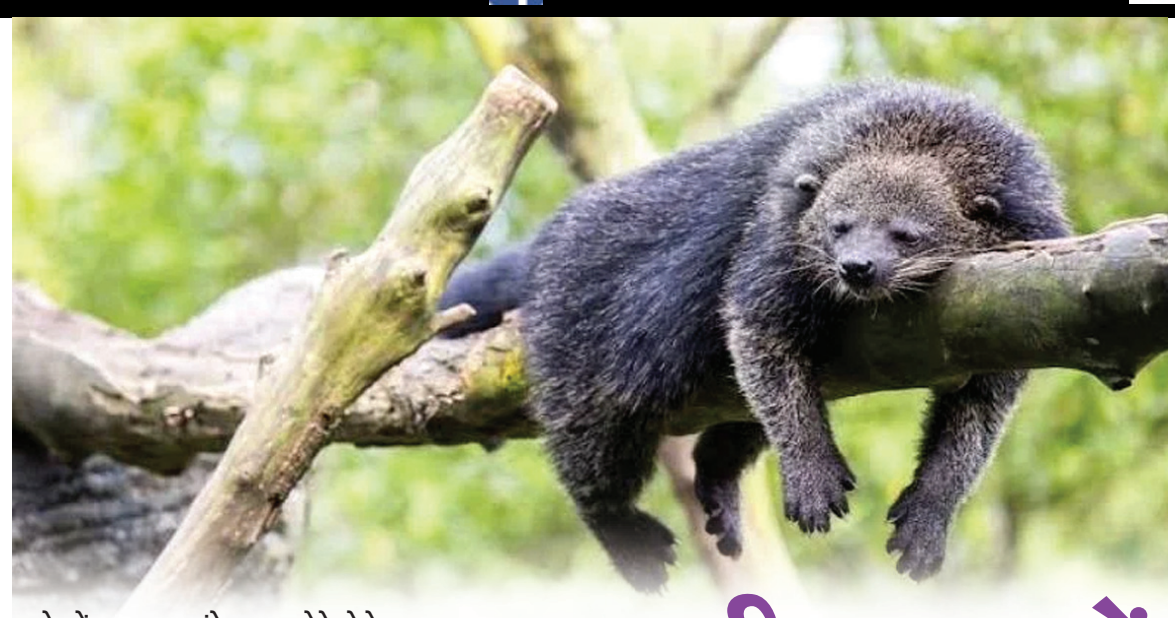

आलसी जानवरों की दुनिया

दोस्तों, तुम 6-8 घंटे जरूर सोते होगे, जिसके बाद फ्रेश होकर अपने काम में जुट जाते होगे। तुमने अपने पेट्स और आसपास रहने वाले जानवरों को भी रात भर सोते हुए देखा होगा। यही नहीं, अगर मौका मिले तो वे दिन में भी सो जाते हैं, ऊंघते रहते हैं या आलसी बनकर पड़े रहते हैं। लेकिन क्या तुम दुनिया के ऐसे जानवरों के बारे में जानते हो, जो पूरे दिन का 60-80 प्रतिशत से भी अधिक समय सोने में खर्च करते हैं। यानी कई जानवर दिन भर में 16-22 घंटे सोते रहते हैं। इनमें कुछेक को छोड़ कर सभी आलसी होते हैं। वे खाते-पीते हैं और अपने जरूरी काम धीरे-धीरे निपटाकर दोबारा सो जाते हैं। तुम ऐसे जानवरों को लेजी, सोतूराम या आलसीराम नहीं कहोगे क्या? लेकिन ऐसा कर ये जानवर एक तो शिकारियों से अपना बचाव करते हैं, साथ ही लंबे समय तक अपनी एनर्जी भी बचाए रखते हैं।

शेर

तुम्हें यह अटपटा जरूर लगेगा कि ताकतवर और जंगल का राजा शेर भी अधिक सोने वाले जानवरों की क्षेणी में आता है। यह अलग बात है कि नर शेर आलसी या कमजोर बिल्कुल नहीं हैं। ताकत से भरपूर और एक्टिव होने के कारण ही ये जंगल के दूसरे जानवरों पर अपना दबदबा बनाए रखते हैं। शिकार करके नर शेर के खाने-पीने का इंतजाम करने का जिम्मा भी जब मादा शेरनी का होता है तो ये दिन में 18-22 घंटे ऊंघने के अलावा करते ही क्या हैं। कभी-कभी तो ये नर शेर दिन में 24 घंटे सोते रहते हैं।

कोआला

ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले कोआला आलसी जानवरों में पहले स्थान पर हैं। ये ज्यादातर नीलगिरी के पेड़ों पर समूह में रहते हैं और आसानी से उपलब्ध नीलगिरी के पत्ते, फल-फूल, पेड़ की छाल खाकर पेट भरते हैं। खाना ढूंढने के लिए उन्हें कहीं जाने की भी जरूरत नहीं पड़ती। फाइबर से भरपूर ये पत्ते कोआला को ऊर्जा प्रदान करते हैं। कोआला नीलगिरी के पेड़ों पर बैठे-बैठे दिन में 22 घंटे सोते रहते हैं।

आर्माडीलो

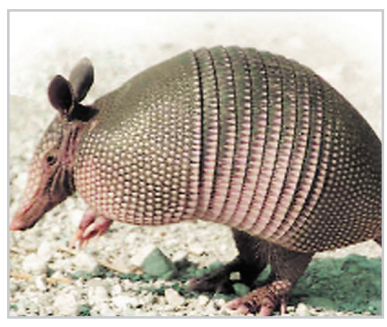

ये दक्षिण और मध्य अमेरिका के जंगलों में पाए जाते हैं और समूह में रहते हैं। आउल मंकी एक दिन में 17 घंटे सोते रहते हैं। ये रात के समय एक्टिव रहकर अपने सारे काम निपटा लेते हैं।

ये एक दिन में 18-20 घंटे तक सोते हैं। अकेले रहने वाले आर्माडीलो रात के समय एक्टिव होते हैं और दिन में अपने बिल के अंदर जहां तक होता है, क्रॉल करते रहते हैं। ये कमजोर नजर वाले होते हैं। सूंघ कर अपने भोजन की तलाश करते हैं।

स्लोथ

दक्षिण और मध्य अमेरिका में पाए जाने वाले स्लोथ बहुत धीमी गति से अपने काम करते हैं। जमीन पर चलते और पेड़ पर चढ़ते वक्त ये एक मिनट में सिर्फ 15-20 सेमी ही आगे बढ़ पाते हैं। ये इतने आलसी होते हैं कि उनके आसपास क्या हो रहा है, इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। स्लोथ दिन में अपने हाथों से पेड़ों की शाखाओं को घेरकर उलटे लटके रहते हैं। ऐसे ही ये लटके हुए 20 घंटे तक सोते रहते हैं।

ब्राउन बैट

ये उत्तरी अमेरिका में पाए जाते हैं। उलटे लटकने वाले ब्राउन बैट दिन में 20 घंटे सोते रहते है और रात को एक्टिव होते हैं।

गिलहरी

गिलहरी कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा से भरपूर खाना खाती है, जिससे इसे नींद ज्यादा आती है। ये टहनियों, पत्तों, फर और पंखों जैसी नरम चीजों से बनाए घोंसले में रहती है और दिन में करीब 14 घंटे सोती है।

आउल मंकी

ये दक्षिण और मध्य अमेरिका के जंगलों में पाए जाते हैं और समूह में रहते हैं। आउल मंकी एक दिन में 17 घंटे सोते रहते हैं। ये रात के समय एक्टिव रहकर अपने सारे काम निपटा लेते हैं।

दरियाई घोड़े

अफ्रीका में पाए जाने वाले हिप्पो ऊंघने में मास्टर होते हैं। समूह में रहने वाले हिप्पो दिन के समय गर्मी से बचने के लिए पानी के नीचे या जमीन पर, जहां भी मौका मिलता है, झपकी ले लेते हैं। अपने समूह के साथ हिप्पो बेखौफ होकर दिन में 18-20 घंटे सोते हैं।

प्यारा और अनूठा शेवट्रेन

शेवट्रेन ऐसा जीव है, जिसका शरीर हिरन की तरह और मुंह चूहा जैसा होता है। अलग-अलग देशों के लोग इसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह दक्षिण भारत के अलावा एशिया और अफ्रीका के विभिन्न जंगलों में पाया जाता है। इसे आर्द्र जलवायु ज्यादा भाती है। यही कारण है कि यह वर्षावनों में ज्यादा पाया जाता है। शेवट्रेन या पिसूरी चूहे की शक्ल का जीव है, पर इसका शरीर हिरन जैसा होता है। इसलिए लोग इसे माउस डियर कहते हैं। एशिया में पाए जाने वाले माउस डियर अफ्रीकी माउस डियर से हल्के और छोटे होते हैं। एशियाई माउस डियर आठ किलोग्राम तक के होते हैं। वहीं, इसकी अफ्रीकी प्रजाति का वजन 16 किलोग्राम तक होता है। यह पूरी तरह शाकाहारी होता है और पौधों के मुलायम पत्ते व पेड़ से गिरे फलों को खाता है। इसके शरीर के निचले हिस्से पर हिरन के जैसी ही धारियां भी बनी होती हैं। इसके कान छोटे-छोटे होते है। यह बहुत ही डरपोक होता है, पर विरोधी कमजोर हो, तो हमला भी कर देता है। शेवट्रेन नाम फ्रेंच से लिया गया है, जिसका मतलब 'छोटी बकरी' होता है। तेलुगु में इसे जारिनी पंडी, मलयालम में खूरान और कोंकणी में इसे बरिंका कहा जाता है। एक अनुमान के अनुसार इस जीव की खोज नव पाषाण काल में हुई। इसके पेट की संरचना बाकी जीवों से थोड़ी अलग होती है। इसके पाचन प्रक्रिया के लिए चार अलग-अलग चेंबर होते हैं। भोजन बारी-बारी से हर चेंबर से होकर गुजरता है, जहां पौष्टिक तत्वों का अवशोषण होता है। मादा एक बार में एक ही बच्चा देती है. इस कारण इनकी संख्या बहुत ही कम है। इनके पैर पतले होते हैं और खुर गाय जैसे, पर काफी छोटे होते हैं। इन्हें सींग नहीं होता, पर नर का जबड़ा काफी मजबूत होता है और जरूरत पड़ने पर इससे वह दुश्मनों पर हमला भी करता है। ये समूह में रहने के बजाय जोड़ी में रहना पसंद करते हैं। ये बच्चों का देखभाल 2-3 माह तक ही करते हैं। 10 माह में इनके बच्चे वयस्क की भूमिका निभाने और प्रजनन के लिए तैयार हो जाते हैं।

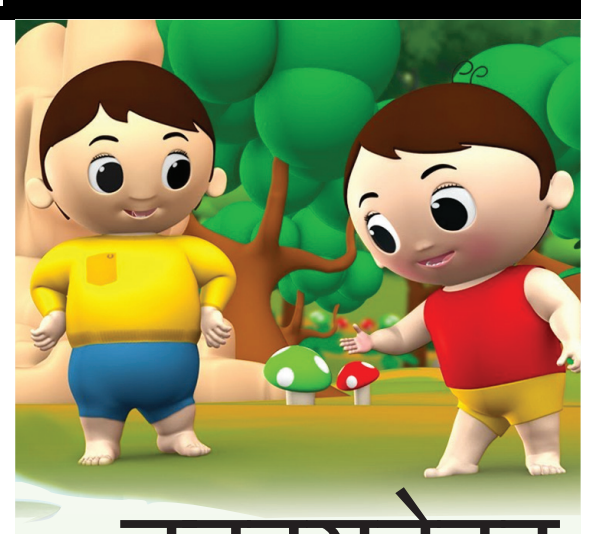

इनक्यूबेटर का कमाल

आर्यन और प्रफुल्ल दोनों भाइयों की साइंस में विशेष रुचि थी। साइंस की उन्हें काफी जानकारी भी थी। स्कूल से लौटकर आने के बाद भी वे दोनों कभी साइंस की कोई मैगजीन पढ़ते रहते तो कभी साइंस से जुड़ी कोई वेबसाइट देखते रहते। उनकी कॉलोनी में रहने वाले लोग अकसर उनके पापा से कहते, 'देख लीजिएगा श्याम जी! आपके बेटे एक दिन बहुत बड़े वैज्ञानिक बनेंगे।'

लोगों के ऐसा कहने की वजह यह थी कि उन्होंने कई बार आर्यन और प्रफुल्ल को साइंस की मदद से समस्याओं के काफी रोचक समाधान निकालते देखा था। आज भी उनके पास एक ऐसी समस्या आ गई थी। दरअसल सुबह जब वे स्कूल बस के आने का इंतजार कर रहे थे तब उनकी कॉलोनी में रहने वाले एक अंकल उनके पास आए और कहने लगे, 'मैं एक मुश्किल में फंस गया हूं। मुझे लगता है कि उसका समाधान तुम दोनों निकाल सकते हो। क्या तुम मेरी मदद करोगे?'

'क्या हुआ अंकल, आप बताइए। अगर संभव हुआ तो हम आपकी परेशानी का हल जरूर निकालेंगे।' आर्यन बोला।

'थैंक्यू बच्चो! मुझे तुमसे यही उम्मीद थी। अब मेरी समस्या सुनो- मेरे पास एक मुर्गी है, जिसे मैंने बड़े प्यार से पाला है। कल वह घर के बाहर घूमते-घूमते अचानक सामने वाले घर में चली गई और लोहे के कंटीले तारों में फंसकर जख्मी हो गई। कल ही उसने दो अंडे दिए हैं। अंडों में से चूजों के बाहर आने में अभी समय है और मुर्गी अभी ऐसी हालत में नहीं है कि उन्हें गर्मी देकर से सके। क्या अंडों को सेने का कोई और तरीका हो सकता है? मैं चाहता हूं कि दोनों चूजे अंडों से बाहर निकलने के बाद पूरी तरह स्वस्थ हों और तब तक मुर्गी की हालत भी सुधर जाए।'

आर्यन और प्रफुल्ल ने एक पल के लिए कुछ सोचा और एक-दूसरे की तरफ देखकर दोनों के मुंह से निकला- 'इनक्यूबेटर' ।फिर वे दोनों बोले, 'अंकल आपका काम हो जाएगा। हमें शाम तक का समय दीजिए। आपके चूजे भी सही सलामत रहेंगे और मुर्गी भी।' यह सुनते ही कॉलोनी वाले अंकल के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

स्कूल से घर वापस आते ही दोनों भाइयों ने खाना खाया और इनक्यूबेटर बनाने में लग गए। सबसे पहले आर्यन ने थर्मोकॉल का एक चौकोर डिब्बा बनाया, जिसे खोला भी जा सके। इसके बाद प्रफुल्ल ने उसके अंदर चारों तरफ रुई की मोटी पर्त बिछा दी ताकि उसके अंदर अंडों को सेने के लिए जरूरी गर्मी बनी रहे। दोनों भाइयों ने बायोलॉजी के पाठ इनक्यूबेटर में पढ़ा था कि मुर्गी के अंडों को सेने के लिए 99 से 102 डिग्री के आस-पास के तापमान की जरूरत होती है। दोनों ने इसके लिए उस डिब्बे का तापमान मापने के लिये उसमें तापमान मानक यंत्र के रूप में थर्मामीटर रख दिया। फिर डिब्बे के अंदर एक साफ मुलायम कपड़ा बिछाया। साथ ही उस डिब्बे में ऊपर से एक छेद करके उसमें बिजली का एक तार लटकाया। बिजली के उस तार के एक कोने में प्लग लगाया और तार के दूसरे कोने को बॉक्स में लटकाकर उसके अंदर होल्डर लगाया। होल्डर में एक बल्ब फिट किया और उसे जला दिया ताकि उसके जलने से डिब्बे में जरूरत के हिसाब से तापमान बना रहे। इसके बाद दोनों ने उसका तापमान थर्मामीटर से मापकर देखा तो वह उतना ही था, जितने की उन्हें जरूरत थी। अब उनका इनक्यूबेटर मुर्गी के अंडे सेने के लिए तैयार था।

शाम को आर्यन और प्रफुल्ल इनक्यूबेटर लेकर मुर्गी वाले अंकल के घर गए। वहां उन्होंने उसे सेट करके उसमें दोनों अंडों को रख दिया। साथ ही उन्होंने अंकल से कहा,'इन अंडों में से चूजे निकलने में 21-23 दिन का समय लगेगा। हम बीच-बीच में आकर इसे चेक करते रहेंगे। अब हम चलते हैं और आप भी अब निश्चिंत होकर अपनी मुर्गी का इलाज करवाइये।

घरेलू इनक्यूबेटर में अंडों के सेने का इंतजाम असर दिखा रहा था। 21वें दिन आर्यन और प्रफुल्ल को अंडों में कुछ हलचल सी दिखी। यह देखकर वे दोनों बहुत खुश हुए। 23वें दिन अंडे का छिलका टूटा और उसके अंदर से दो प्यारे-प्यारे चूजे बाहर आए। उन्हें देखकर सब तालियां बजाने लगे। कॉलोनी में रहने वाले लोग आर्यन और प्रफुल्ल को बधाई दे रहे थे।

आर्यन और प्रफुल्ल की खुशी का ठिकाना नहीं था। अगले दिन उन दोनों के स्कूल में प्रिंसिपल सर ने दोनों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'आर्यन और प्रफुल्ल हमारे स्कूल के नंबर वन बाल वैज्ञानिक हैं। ये सिर्फ परीक्षा में पास होने के लिए ही पढ़ाई नहीं करते, बल्कि उसे अमल में भी लाते हैं। आज स्कूल के सभी छात्र इन दोनों के लिए तालियां बजाएंगे।' सर का इतना कहना था, सारे बच्चों ने प्रफुल्ल और आर्यन के लिए जोरदार तालियां बजाईं। इससे दोनों का हौसला और बुलंद हो गया। दोनों ने सोच लिया था कि वे थॉमस अल्वा एडीसन, गैलीलियो और आइंस्टीन के बारे में केवल एग्जाम में ही नहीं लिखेंगे, बल्कि उनकी तरह बन कर दिखाएंगे और अपने स्कूल का नाम रोशन करेंगे।

लाहौर में 277 साल पुराने गुरुद्वारे पर कट्टरपंथियों जड़ा ताला मस्जिद होने का किया दावा

लाहौर । पाकिस्तान में सरकारी संरक्षण में अल्पसंख्यकों के धार्मिक अधिकारों के उल्लंघन का एक और मामला सामने आया है। शाहबाज शरीफ सरकार की शह पर मुस्लिम कट्टरपंथियों ने इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के साथ मिलकर लाहौर के लगभग 277 साल पुराने ऐतिहासिक शहीद भाई तारु सिंह गुरुद्वारे पर ताला जड़ दिया है। मौलाना पवित्र ऐतिहासिक गुरुद्वारे को मस्जिद बताकर इस पर कब्जा करने की फिराक में हैं। पाकिस्तान में रहने वाले सिखों में इस कार्रवाई को लेकर काफी गुस्सा है। उनका कहना है कि इस ऐतिहासिक गुरुद्वारे में रोज होने वाला गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ थम गया है। इसमें काफी श्रद्धालु शामिल होते थे। पिछले कुछ समय से कट्टरपंथियों की ओर से गुरुद्वारे को बंद करने की धमकियां दी जा रही थीं। कट्टरपंथियों ने ईटीपीबी के साथ मिलकर गुरुद्वारे पर तालाबंदी की है। पाक सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अनुसार 1947 में पाकिस्तान में 20 लाख सिख थे अब 20 हजार रह गए। यहां के 160 ऐतिहासिक गुरुद्वारों में से मात्र 20 गुरुद्वारों के संचालन की अनुमति है। बात अगर लाहौर के इस गुरुद्वारे की करें तो इस जगह पर 1745 में मुगलों से लड़ते हुए भाई तारु सिंह शहीद हुए थे। जिसके बाद 1747 में यहां गुरुद्वारा बनकर तैयार हुआ था। अब मुस्लिम संगठनों के दबाव में पाकिस्तान सरकार ने गुरुद्वारे पर तालाबंदी की मंजूरी दी है। आपको बता दें कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार के मामले सामने आते रहे हैं। यहां अल्पसंख्यकों की आबादी लगातार कम हो रही है। पाकिस्तान में न केवल सिख बल्कि हिंदुओं पर भी लगातार हमलों के मामले सामने आते रहे हैं। ऑल पाकिस्तान हिंदू राइट मूवमेंट के अनुसार विभाजन के समय पाकिस्तान में 4280 मंदिर थे। जिनमें से अब केवल 380 मंदिर ही रह गए हैं। पाकिस्तान में 3900 मंदिरों को तोड़ दिया गया है।

चुनाव से पहले बांग्लादेश में तेज हुई राजनीति, 14 साल से सत्ता से बाहर बीएनपी ने निकाली मेगा रैली

ढाका। 14 साल से सत्ता से बाहर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने गोलाबाग मैदान में एक विशाल रैली का आयोजन किया। हजारों की संख्या में बीएनपी कार्यकर्ता और समर्थक आम चुनाव से पहले शक्ति प्रदर्शन की मंशा से एकत्र हुए। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए राजधानी ढाका में एक कड़ी सुरक्षा क्षेत्र स्थापित किया गया है। पुलिस का कहना है कि उन्होंने रैली स्थल के आसपास सुरक्षा के कई स्तर बनाए हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में, रैली के आसपास केंद्रित नया पल्टन इलाके में पुलिस और बीएनपी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई थी। इस संघर्ष में मकबूल हुसैन नामक एक व्यक्ति की मौत हो गई। बाद में 1,000 से अधिक बीएनपी कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और पार्टी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर सहित कई वरिष्ठ नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। ढाका की एक अदालत ने उन्हें तोड़फोड़ के एक मामले में जेल भेज दिया है।

भारी सुरक्षा तैनात

सशस्त्र पुलिस बटालियन, रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी), अंसार, ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के सदस्यों और अन्य संगठनों के खुफिया कर्मियों सहित लगभग 30,000 कानून प्रवर्तन अधिकारी ड्यूटी पर हैं। पुलिस और गुप्तचर सूत्रों ने कहा कि उन्हें हिंसा और क्षति के सभी कृत्यों को समाप्त करने का आदेश दिया गया है। आरएबी हेलिकॉप्टर से शहर की पुलिसिंग भी कर रहा है।

शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार किया गया

बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने गुलशन के एक होटल में स्थानीय नेताओं और विदेशी राजदूतों के सामने कहा, 卐10 दिसंबर के बारे में कोई संदेह नहीं है। निश्चित रूप से उस दिन ढाका में एक रैली होगी।卐 दो दिन बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मिर्जा फखरुल जहां शुक्रवार सुबह से दोपहर तक राजधानी के डीबी कार्यालय में आयोजित हो रहे थे, वहीं बीएनपी ने शनिवार की रैली के लिए अनुमति प्राप्त कर ली। रैली से एक रात पहले उनकी हिरासत भी चर्चा का विषय रही। बीएनपी स्थायी समिति के कुछ सदस्यों का मानना ??है कि मिर्जा फखरुल को पार्टी नेताओं को हतोत्साहित करने और रैली की नियोजित, समन्वित गतिविधियों को बाधित करने के लिए गिरफ्तार किया गया था।

स्वीडन के सुप्रीम कोर्ट ने स्कूली छात्राओं के हिजाब प्रतिबंध के फैसले को पलटा

स्टॉकहोम। स्वीडन के सुप्रीम कोर्ट ने साल 2019 में स्टाफनस्टॉर्प नगरपालिका द्वारा पारित स्कूली छात्राओं के हिजाब प्रतिबंध के फैसले को पलट दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने तर्क दिया है कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कानूनों का उल्लंघन करता है। दक्षिणी स्वीडन में स्केन काउंटी के स्टाफनस्टॉर्प में प्री-स्कूलों और प्राथमिक स्कूलों में छह साल तक के बच्चों को हिजाब पहनने से रोकना चाहते थे प्रभावी रूप से 12 साल से कम उम्र के बच्चों पर प्रतिबंध लगाना चाहते थे। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार स्वीडन डेमोक्रेट्स द्वारा संचालित एक अन्य नगर पालिका स्कर्प में राजनेताओं ने प्री-स्कूलों और प्राथमिक स्कूलों में बच्चों और कर्मचारियों के लिए प्रतिबंध लगाने पर जोर दिया था। संविधान पर संसद की समिति ने कहा यह विशेष स्कूलों या व्यापक समाज में बच्चों के लिए कपड़ों पर प्रतिबंध लगाने के कानून की कोई योजना नहीं है। दोनों नगर पालिकाएं कई सालों से हिजाब के मुद्दे को उठा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने स्वीडन के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कानून का इस्तेमाल अपने फैसले का समर्थन करने के लिए किया जिसमें कहा गया है कि धार्मिक संबद्धता अभिव्यक्ति जैसे कि कपड़े इसके दायरे में आते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार जस्टिस उलरिक वॉन एसेन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि हिजाब पहनने के अधिकार को सीमित करने का प्रभाव व्यक्तियों पर पड़ता है और इसलिए यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा है। सीमा की अनुमति के लिए इसे कानून द्वारा समर्थित होना चाहिए। इस तरह के कानूनी समर्थन राष्ट्रीय कानून में मिसिंग हैं इसलिए नगर पालिकाओं के फैसले को रद्द कर दिया जाना चाहिए।

फ्रांस नए साल में 25 साल तक के युवाओं को मुफ्त कंडोम देगा!

– युवा लोगों में यौन संचारित रोगों को बढ़ते देख फ्रांस सरकार ने लिया फैसला

पेरिस । फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस नए साल में 25 साल तक के किसी भी शख्स के लिए फार्मेसियों में कंडोम मुफ्त कर देगा। उसने यह कदम उस वक्त उठाया है जब सरकार का मानना है कि युवा लोगों में यौन संचारित रोग बढ़ रहे हैं जबकि इस साल की असाधारण महंगाई के कारण फ्रांस के सबसे गरीब लोगों की हालत बहुत ही खराब हो चुकी है। 25 वर्ष से कम उम्र की लड़कियां और महिलाएं पहले से ही फ्रांस में मुफ्त बर्थ कंट्रोल के साधन हासिल कर सकती हैं। ऐसा हर वर्ग की युवा महिलाओं में अवांछित गर्भधारण को रोकने के लिए किया गया है। सरकार की ये मौजूदा नीति पुरुषों के लिए नहीं थी। हालांकि ट्रांसजेंडर लोगों को इसका फायदा मिलता है। मैक्रों ने पिछले दिनों कहा था कि 1 जनवरी से 18-25 तक किसी के लिए भी कंडोम मुफ्त होगा लेकिन एक फ्रांसीसी टीवी प्रस्तोता और अन्य लोगों ने उनके इस प्रस्ताव को सोशल नेटवर्क पर चुनौती दी और कहा कि फ्री कंडोम के नियम में नाबालिगों को शामिल क्यों नहीं किया गया। बाद में राष्ट्रपति मैक्रों ने इसके लिए सहमति दी। मैक्रों ने एक ट्वीट किया कि कई नाबालिगों ने भी यौन संबंध बनाए हैं उन्हें भी खुद को सुरक्षित रखने की जरूरत है। गौरतलब है कि जब पहली बार 2017 में 39 साल की उम्र में मैक्रों को राष्ट्रपति चुना गया था तो वे फ्रांस के सबसे कम उम्र के राष्ट्रपति थे। उन्होंने एचआईवी और अन्य यौन संचारित वायरस को रोकने के लिए उपाय बढ़ाने का वादा किया था। फ्रांस की राज्य स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में बर्थ कंट्रोल के कुछ उपाय जरूर शामिल हैं लेकिन इनका लाभ सभी को नहीं मिलता है। गरीब रोगियों को डॉक्टरों से मिलने के लिए अक्सर लंबा इंतजार करना होता है। बहरहाल फ्रांस में गर्भपात सभी के लिए मुफ्त है। कई अन्य यूरोपीय देश भी मुफ्त या रियायती गर्भनिरोधक देते हैं।

वुहान में एक चिकित्साकर्मी कोरोना संक्रमण की जांच के लिए लगे लोगों के नमूने लेते हुए।

नेपाल में होगा नई सरकार का गठन, पांच दलों के नेताओं ने की बैठक

काठमांडू। नेपाल में पांच दलों के सत्ताधारी गठबंधन के नेताओं ने यहां शुक्रवार को बैठक करके आम चुनाव के नतीजों की समीक्षा करने के साथ नई सरकार के गठन और सत्ता-साझेदारी के समझौते पर चर्चा की। नेपाल कांग्रेस के नेता रामचंद्र पौडेल (माओवादी सेंटर), अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड, नेपाल समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष डॉ. बाबूराम भट्टराई ने यहां काठमांडू में मुलाकात की। नेपाली कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि बैठक के दौरान वरिष्ठ नेताओं ने मौजूदा राजनीतिक हालात, सत्ता में साझेदारी और नई सरकार के गठन समेत अन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में नेपाल समाजवादी पार्टी के नेता महेंद्र आर. यादव भी मौजूद थे। निर्वाचन आयोग द्वारा बुधवार को आनुपातिक मतदान प्रणाली के तहत सभी राजनीतिक दलों को सीट आवंटित किए जाने के बाद नेपाली कांग्रेस (एनसी) 89 सीट के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। सत्तारूढ़ गठबंधन के अन्य सहयोगियों ने मिलकर 47 सीट हासिल की हैं, जिसमें सीपीएन-माओवादी सेंटर (32), सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट (10), लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी (चार) और राष्ट्रीय जनमोर्चा (एक) शामिल हैं। सीके राउत के नेतृत्व वाली जनमत पार्टी, जिसने फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट श्रेणी के तहत प्रतिनिधि सभा (एचओआर) में केवल एक सीट हासिल की, को आनुपातिक प्रतिनिधित्व (पीआर) श्रेणी के तहत पांच सीट मिलीं, जिसका अर्थ है कि पार्टी के सदन में कुल छह सदस्य होंगे। विपक्षी सीपीएन-यूएमएल के पास 78 सीट हैं।

सऊदी-चीनी 'भाई भाई': फ्लाइ पास्ट से स्वागत, बैंगनी कॉरपेट वेलकम

जिनपिंग ने खाड़ी देश का किया मूड स्विंग, ड्रैगन ने क्यों मिडिल ईस्ट में बढ़ाई अपनी भागीदारी?

रियाद (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग सऊदी अरब से हाथ मिलाकर बाइडेन को शिकस्त देने की कोशिश कर रहे हैं। जिनपिंग का अरब दौरा ऐसे समय में हुआ जब अमेरिका का चीन और सऊदी के साथ तनाव चरम पर है। ऐसे में इस बात की आशंका जताई गई कि जिनपिंग अमेरिका के खिलाफ समर्थन जुटाने के लिए सऊदी अरब पहुंचे। सऊदी क्राउन प्रिंस की बाइडेन से नाराजगी का जिनपिंग ने पूरा फायदा उठाया है। जिनपिंग जब सऊदी अरब पहुंचे तो उनका ऐसा ग्रैंड वेलकम हुआ जैसा कभी किसी राष्ट्रपति का नहीं हुआ था। अमेरिकी राष्ट्रपति का तो कम से कम कतई नहीं हुआ था। फ्लाइ पास्ट से स्वागत, तोपों की सलामी, आसमान में चीनी झंडे के रंग और बैंगनी कॉरपेट वेलकम। सऊदी परंपरा में इस रंग का खास महत्त्व होता है। गार्ड ऑफ ऑर्नर और क्राउन किंग की गर्मजोशी।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने खाड़ी अरब के नेताओं से कहा कि चीन युआन में तेल और गैस खरीदने के लिए काम करेगा। ये एक ऐसा कदम जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मुद्रा स्थापित करने और विश्व व्यापार पर अमेरिकी डॉलर की पकड़ को कमजोर करने के बीजिंग के लक्ष्य का समर्थन करेगा। शी सऊदी अरब में बोल रहे थे, जहां क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने चीनी नेता के साथ अरब शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। सऊदी यात्रा के दौरान शी जिनपिंग के दो खास सम्मेलनों में भाग लेने का कार्यक्रम रखा गया था। इनमें एक सम्मेलन अरब देशों के नेताओं के साथ था। दूसरा सम्मेलन खाड़ी सहयोग परिषद के सदस्य देशों के नेताओं के साथ था। इसके बाद सऊदी अरब के साथ उनकी द्विपक्षीय वार्ता रखी गई।जिसने शक्तिशाली राजकुमार के क्षेत्रीय महत्व को प्रदर्शित किया क्योंकि वह पश्चिम के साथ घनिष्ठ ऐतिहासिक संबंधों से परे साझेदारी करता है।

जिनपिंग का ये दौरा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बाद हुआ है जिसमें बाइडेन ने कहा था कि अमेरिका मिडिल ईस्ट पर चीन की पैठ नहीं बनने देगा। उन्होंने कहा था कि अमेरिका मिडिल ईस्ट से नहीं जाएगा और चीन, रूस और ईरान को यहां पैठ भी नहीं बनाने देगा। दोनों देशों ने वैश्विक तेल बाजारों में स्थिरता के महत्व और उसमें सऊदी अरब की भूमिका की पुष्टि की है।

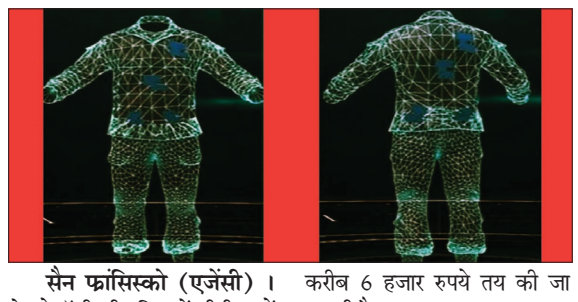

चीनी छात्रों ने किया मिस्टर इंडिया वाले यूनिक कोट का अविष्कार, पहनने के बाद व्यक्ति कैमरे की नजर से हो जाएगा गायब

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। टेक्नोलॉजी की दुनिया में चीनी छात्रों ने एक नया अविष्कार किया है। चीन के कुछ छात्रों ने मिलकर एक यूनिक कोट बनाया है। इस कोट को पहनने के बाद व्यक्ति कैमरे की नजर से गायब हो जाएगा। चीनी छात्रों की तरफ से एक कम लागत वाले कोट का आविष्कार किया है जो स्पष्ट रूप से मानव शरीर को सुरक्षा कैमरों से छिपा सकता है। छात्रों का दावा है कि आर्टिफिशियल इनटेलीजेंस द्वारा इसकी निगरानी की जाती है। हांगकांग स्थित समाचार पत्र साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट (स्ष्टस्क्क) ने बताया कि %इनविस डिफेंस% नाम का कोट, हालांकि मानव आंखों के लिए दृश्यमान है, दिन के समय कैमरों को धोखा दे सकता है। कोट की कीमत करीब 6 हजार रुपये तय की जा सकती है।

सैकड़ों टेस्ट करने के बाद चीनी छात्रों ने ये कोट तैयार किया है। ये कोट इंसान को सिक्योरिटी कैमरे में हाइड कर देता है। चीनी छात्रों के इस इनोवेशन ने चीनी सरकार की नींद उड़ा दी है। ये कोट रात में एआई मॉनिटर हीट सिग्नल देता है। सूत्रों के अनुसार चीनी सरकार इस कोट पर बैन लगा सकती है। इस कोट को क्रिएटिव कंपटीशन में पहला प्राइज भी मिल चुका है। साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट ने बताया कि इन स्नातक छात्रों के काम को हुआवेई टेक्नोलॉजीज कंपनी द्वारा एक प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।

अमेरिका ने उत्तर कोरियाई कंपनी के लिए काम करने पर भारतीय नागरिक पर प्रतिबंध लगाए

वाशिंगटन। (एजेंसी)। अमेरिका ने उत्तर कोरियाई सरकार द्वारा संचालित एनिमेशन स्टूडियो की ओर से काम करने और उसे सहयोग देने के लिए एक भारतीय नागरिक समेत दो लोगों और सात संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस की पूर्व संध्या और अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार रोधी दिवस के मौके पर शुक्रवार को यह कार्रवाई की। उसने दुनियाभर में मानवाधिकारों के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के लिए जवाबदेही तय करने के प्रयास के तौर पर यह कार्रवाई की।

अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, अमेरिका ने उत्तर कोरियाई सरकार द्वारा संचालित एनिमेशन स्टूडियो 'एसईके स्टूडियो' की ओर से काम करने और उसे सहयोग मुहैया कराने के लिए दो लोगों तथा सात संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए हैं। जिन लोगों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, उनमें फ्रांस में रहने वाले किम म्यांग चोल, भारत के सुभाष जाधव, हांगकांग की एवरलास्टिंग एम्पायर लिमिटेड, तिआन फेंग (हांगकांग) होल्डिंग लिमिटेड, चीन की फुजियान नान इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी, रूसी संघ की लिमिटेड लायएबिलिटी कंपनी काइनोटिस, सिंगापुर की फनसागा पी लिमिटेड, चीन की यांगचेंग थ्री लाइन वन प्वाइंट एनिमेशन को लिमिटेड और क्वांझू यियांगजिन इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट ट्रेड को लिमिटेड शामिल हैं। अमेरिका के वित्त विभाग ने बताया कि जाधव फनसागा पी लिमिटेड के निदेशक हैं और उन्होंने एक एनिमेशन प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए एसईके के साथ करार किया था।

अंतरिक्ष में अमेरिकी संपत्ति को खतरे में डाल सकती हैं चीन की बढ़ती गतिविधियां : जेम्स डिकिंसन

बीजिंग (एजेंसी)। पृथ्वी की निचली कक्षा में तेजी से इकट्ठे होते मलबे के बीच अमेरिका चीन की उन गतिविधियों पर करीबी नजर रख रहा है जो अंतरिक्ष में अमेरिकी संपत्ति को खतरे में डाल सकती हैं। अंतरिक्ष में अमेरिका के सैन्य अभियान के प्रमुख ने यह बात कही। यूएस स्पेस कमांड आर्मी के कमांडर जनरल जेम्स डिकिंसन ने संयुक्त राष्ट्र में उस प्रस्ताव के भारी मतों से पारित होने का स्वागत किया जिसमें यह प्रावधान किया गया है कि देश सीधी उड़ान भरने वाली उपग्रह रोधी प्रणाली का परीक्षण नहीं करेंगे जो बड़े पैमाने पर अंतरिक्ष मलबा पैदा कर उपग्रहों और अंतरिक्ष स्टेशन के अस्तित्व को खतरे में डालती हैं।

जिन चार देशों ने इस तरह की उपग्रह रोधी प्रणाली का परीक्षण किया है उनमें से सिर्फ अमेरिका ने इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। चीन और रूस ने जहां प्रस्ताव का विरोध किया वहीं भारत मतदान से दूर रहा। जनरल डिकिंसन ने कहा हम अंतरिक्ष में मौजूद मलबे को बढ़ाना जारी नहीं रख सकते। ज्यादातर मलबा पृथ्वी की अहम निचली कक्षा में मौजूद है जो बहुत भरा हुआ और प्रतिस्पर्धा एवं संघर्ष का केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष में वस्तुओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है और धातु के छोटे टुकड़े भी खतरा पैदा कर सकते हैं।

डिकिंसन ने बताया कि अमेरिकी स्पेस कमांड पृथ्वी की कक्षा के पास अभी 48 हजार से अधिक वस्तुओं की निगरानी कर रहा है जिनमें उपग्रह दूरबीन अंतरिक्ष स्टेशन और हर आकार का मलबा शामिल है। उन्होंने बताया कि तीन साल पहले ऐसी वस्तुओं की संख्या 25 हजार के आसपास थी। चीन 2003 में अमेरिका और पूर्व सोवियत संघ के बाद अंतरिक्ष में मानव भेजने वाला दुनिया का तीसरा देश बना था। तब से उसका मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम काफी तेजी से बढ़ा है। 2007 में चीन को अंतरिक्ष में अपने एक निष्क्रिय उपग्रह को उड़ाने के लिए एक मिसाइल का अघोषित परीक्षण करने पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था।

इस परीक्षण के कारण अंतरिक्ष में बड़े पैमाने पर मलबा फैल गया था जो अभी भी खतरे का सबब बना हुआ है। डिकिंसन ने कहा बीजिंग को लगता है कि अंतरिक्ष न केवल उसकी अर्थव्यवस्था और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बल्कि सैन्य क्षेत्र के लिए भी अहम कारक है। ऐसे में जब वह अपनी अंतरिक्ष क्षमताओं में लगातार इजाफा कर रहा है तब हम उसकी गतिविधियों पर बेहद करीबी नजर रख रहे हैं। ताइवान दक्षिण चीन सागर और व्यापार एवं तकनीक के क्षेत्र में अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव के बीच अंतरिक्ष दोनों देशों में तेजी से टकराव के एक संभावित केंद्र के रूप में उभर रहा है।

इसके अलावा पेंटागन ने पिछले हफ्ते वार्षिक चीन सुरक्षा रिपोर्ट जारी की थी जिसमें आगाह किया गया था कि वर्ष 2035 तक बीजिंग के पास 1500 परमाणु हथियार हो सकते हैं और उसने यह स्पष्ट नहीं किया है कि वह इन हथियारों का किस रूप में इस्तेमाल करने की मंशा रखता है। डिकिंसन ने कहा कि चीन 'उन क्षमताओं का निर्माण कर रहा है जो वास्तव में अंतरिक्ष में हमारी ज्यादा संपत्तियों को खतरे में डालती हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध ने भी दिखाया है कि अंतरिक्ष 'टकराव का केंद्र है जिसकी रक्षा किया जाना जरूरी है। यह एक ऐसी भूमिका है जिसे यूएस स्पेस कमांड काफी गंभीरता से ले रहा है।

अमेरिकी नीति का जिक्र करते हुए पुतिन ने दे डाली नई चेतावनी, कहा- खतरा होने पर उठा सकता है कदम

मॉस्को। (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि मॉस्को दुश्मन से हमले के खतरे के जवाब में उस पर पहले हमला करने की अमेरिका की रणनीति अपना सकता है और उसके पास ऐसा करने के लिए काफी हथियार हैं। पुतिन ने पूर्व सोवियत देशों के आर्थिक गठबंधन के किर्गिस्तान में हुए सम्मेलन में अमेरिकी नीति का जिक्र करते हुए कहा कि हम इसके बारे में सिर्फ सोच रहे हैं। वे पिछले कुछ वर्ष में इसके बारे में खुलकर बात करने से कतराते नहीं रहे हैं। क्रेमलिन कई वर्षों से तथाकथित 'कन्वेंशनल प्रोम्प्ट ग्लोबल स्ट्राइक' क्षमता विकसित करने के अमेरिका के प्रयासों को लेकर चिंता जताता रहा है जिसके तहत एक घंटे के भीतर ही दुनिया में कहीं भी पारंपरिक हथियारों

से सटीक निशाना लगाने की कल्पना की गई है। उन्होंने दावा किया कि रूस ने ऐसा हमला करने में सक्षम हाइपरसोनिक हथियारों को पहले ही तैनात कर दिया है जबकि अमेरिका ने अभी तक उन्हें तैनात नहीं किया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि अब रूस के पास ऐसी क्रूज मिसाइल हैं जो अमेरिका की क्रूज मिसाइलों से भी आगे की दूरी तय कर सकती हैं।

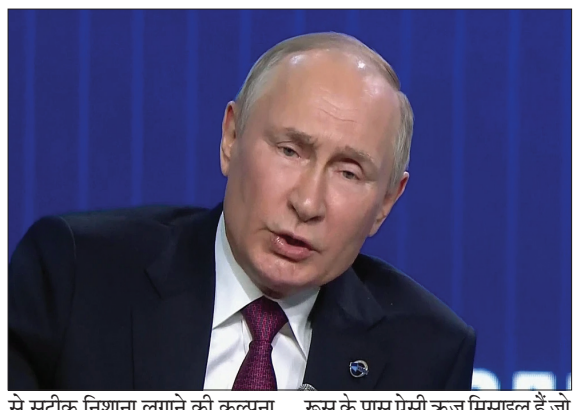

पुतिन ने कहा कि अमेरिका ने पहले परमाणु हथियारों का प्रयोग करने की संभावना से इनकार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि अगर संभावित शत्रु को लगता है कि वह हमले के खतरे की आड़ में हमला करने की नीति अपना सकता है और हम नहीं, तो यह हमें दूसरे देशों की रक्षात्मक मुद्रा में ऐसे विचारों से उत्पन्न खतरों के बारे में सोचने पर मजबूर करता है। इस बीच, अमेरिका के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा कि वाशिंगटन में राष्ट्रपति जो. बाइडन के सलाहकारों ने पुतिन की टिप्पणियों को ''युद्ध भड़काने वाली'' बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि बाइडन सामरिक परमाणु हथियार तैनात कर सकते हैं। अधिकारी ने कहा कि रूसी सैन्य सिद्धांत लंबे समय यह रहा है कि मॉस्को के पास व्यापक सैन्य आक्रामकता के जवाब में परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल करने का अधिकार है।

अमेरिकी एनएसए ने क्वाड फेलो के पहले दस्ते को बधाई दी

– क्वाड देशों के नेताओं ने इस साल मई में शुरू की थी क्वाड फेलोशिप

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने ऑस्ट्रेलिया भारत जापान और अमेरिका के क्वाड फेलो के पहले दस्ते को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि युवा फेलो क्वाड देशों को और करीब ले आएंगे। क्वाड देशों के नेताओं ने इस साल मई में क्वाड फेलोशिप शुरू की थी जो अपनी तरह का पहला छात्रवृत्ति कार्यक्रम है। इसे चारों सदस्य देशों के अगली पीढ़ी के वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के बीच संवाद कायम करने के मकसद से तैयार किया गया है। क्वाड फेलोशिप के तहत हर साल अमेरिका के अग्रणी एसटीईएम (विज्ञान प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग और गणित) विश्वविद्यालयों से स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने के इच्छुक 100 छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इनमें प्रत्येक सदस्य देश के 25-25 छात्र शामिल होते हैं। सुलिवन ने कहा ?कि आज हम 100 विविध बहुविषयक प्रेरक और असाधारण छात्रों के समूह का स्वागत करते हुए बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। इनमें प्रत्येक क्वाड देश के 25-25 छात्र शामिल हैं जो महान एसटीईएम पेशेवरों की अगली पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं। लिवन ने फेलो सदस्यों की भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि इनमें से प्रत्येक फेलो ने हमारे चार महान लोकतंत्रों के बीच नवाचार और सहयोग को आगे बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया है। उन्होंने हिंद प्रशांत क्षेत्र के साथ-साथ पूरी दुनिया के लिए एक बेहतर कल बनाने की दिशा में उत्साह का प्रदर्शन भी किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में इलाज कराने आ रहे हैं विदेशी

नई दिल्ली । देश के पर्यटन उद्योग के साथ-साथ अब इलाज कराने के लिए भी विदेशी बड़ी संख्या में भारत पहुंच रहे हैं। भारत में इलाज अन्य देशों की तुलना में सस्ता है। जो पर्यटक आ रहे हैं वह अपनी जांच और इलाज के लिए भी भारत को ही पसंद कर रहे हैं। भारत में जो विदेशी पर्यटक आ रहे हैं। उनमें से पिछले 3 वर्षों में चिकित्सा के लिए आए पर्यटकों की संख्या बढ़ गई है। अधिक उम्र वाले विदेशी व्यक्ति भी यहां पर इलाज कराने के लिए पहुंच रहे हैं। भारत में 2019 में चिकित्सा के लिए 6.4 फ़ीसदी पर्यटक भारत आए थे। 2020 में यह संख्या 6.8 फ़ीसदी थी। 2021 में यह 21.2 फ़ीसदी पर पहुंच गई है। भारत में हार्ट की सर्जरी 3 से 4 लाख रुपए में हो जाती है। जबकि विदेशों में इसी सर्जरी के 12 से 15 लाख रुपए खर्च होते हैं। भारत में घुटनों के को बदलने पर 5 से 9 लाख रुपए का खर्च आता है। विदेशों में इसके लिए 15 से 50 लाख रुपए तक खर्च करने पड़ते हैं। विदेशों मेंइलाज के लिए लंबा इंतजार भी करना पड़ रहा है। जबकि भारत में उनका इलाज तुरंत हो जाता है। भारत में चिकित्सा पर्यटन लगातार बढ़ता जा रहा है।

दुबई में पहुंचे 12.40 लाख भारतीय – 2.42 लाख करोड़ की दुबई को कमाई

नई दिल्ली । भारत में दुबई की लोकप्रियता शिखर पर है। दुबई में 27 लाख भारतीय रह रहे हैं। जो नौकरी और कारोबार में लगे हुए हैं। दुबई में हिंदी भाषा को लेकर भी कोई प्रॉब्लम नहीं है। भारत से दुबई जाने वाले पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड तोड़ वृद्धिहो रही है। जनवरी से सितंबर माह तक दुनिया भर से 68 लाख पर्यटक दुबई पहुंचे थे। इनमें 12.40 लाख भारतीय पर्यटक थे। दुबई का फेस्टिवल 15 दिसंबर से 29 जनवरी 2023 तक आयोजित होगा। इसमें 800 से अधिक ब्रांड के 3500 से ज्यादा आउटलेट वहां पर खुलेंगे। बड़े पैमाने पर फेस्टिवल के लिए लोगों ने टिकट बुक करा लिए हैं। 2022 में 8.58 लाख भारतीय पर्यटक यूएई में पहुंचे थे। इस बार यह संख्या लगभग 15 लाख तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। भारत और यूएई के बीच यात्रा बड़ी आसानी से होती है। वीजा आसानी से मिल जाता है। यहां के होटल भी सस्ते हैं। भारत से दुबई का सफर भी कुछ ही घंटों का है। पर्यटकों नवजोड़े और परिवार सहित दुबई जाना सबके लिए आसान है। यहां पर भारतीयों की संख्या भी काफी है। फेस्टिवल के बाद से दुबई में भारतीय पर्यटकों की संख्या काफी तेजी के साथ बढ़ी है। दुबई में ज्वेलरी और सोने का आकर्षण भी भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करता है।

भारतीयों से दुबई की कमाई

दुबई की सरकार को इस साल 2.42 लाख करोड़ रुपए की आय केवल पर्यटकों द्वारा किए गए खर्च से हुई है। दुबई में भारतीय पर्यटक बड़ी तेजी के साथ बढ़ते जा रहे हैं।इसके साथ ही दुबई की कमाई भी बढ़ती जा रही हैं।

श्रीनगर की सड़कों पर जल्द दौड़ेंगी ई-बाइक्स, ट्रैफिक जाम से मिलेगा छुटकारा, प्रदूषण भी कम होगा

श्रीनगर। कश्मीर में बदले माहौल में युवा अपना हुनर दिखा रहे हैं और कला से लेकर विज्ञान तक के क्षेत्रों में अपनी क्षमता प्रदर्शित कर रहे हैं। कश्मीरी युवाओं के एक समूह ने श्रीनगर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सहयोग से ई-बाइक्स तैयार की हैं और यह जल्द ही श्रीनगर की सड़कों पर दौड़ती नजर आयेंगी। कर्व इलेक्ट्रिक्स के सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक शेख यामिन ने युवाओं को साथ लिया और अपने सपने को हकीकत में बदला। अब जल्द ही शेयरिंग ई-बाइक सबके लिए उपलब्ध होंगी। हाल ही में इनका डलगेट से कश्मीर विश्वविद्यालय तक सफल परीक्षण भी किया गया। शेख यामिन ने प्रभासाक्षी से बातचीत में बताया कि 200 ई-बाइक शहर में 12 डॉकिंग स्टेशनों पर उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य यह था कि एक तो हम ट्रैफिक जाम से बचना चाहते हैं और ई-बाइक के जरिये श्रीनगर में प्रदूषण कम करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि ई-बाइक बहुत सस्ती है और यदि कोई इसकी सेवा लेना चाहता है तो डॉकिंग स्टेशन पर आकर अपना पंजीकरण करा सकता है। उन्होंने कहा, 'हमने इन ई-बाइक्स को खुद डिजाइन किया है और यहां असेंबल किया है। यह एक बार चार्ज करने पर 60 किलोमीटर तक चल सकती है। शेख यामिन ने दावा किया कि ई-बाइक जीपीएस युक्त है ताकि उचित निगरानी रखी जा सके और बाइक में एक एंटी-टैम्परिंग सिस्टम भी लगाया गया है ताकि कोई भी बैटरी से छेड़छाड़ न कर सके।

हिमाचल प्रदेश में चुनाव जीतने वाले 93 फीसदी विधायक करोड़पति 41 फीसदी के विरुद्ध दर्ज हैं आपराधिक मामले

शिमला । हिमाचल प्रदेश इलेक्शन वॉच एंड एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एचपीईडब्ल्यू) और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के विश्लेषण में बताया गया है कि प्रदेश विधानसभा में जीत हासिल करने वालों में 93 प्रतिशत करोड़पति हैं और 41 के विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज हैं। एडीआर ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में सभी 68 विजयी उम्मीदवारों के हलफनामों के विश्लेषण करने के बाद यह नतीजा निकाला है। चौदहवीं राज्य विधानसभा के विजयी उम्मीदवारों में कांग्रेस के 40 भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 25 और तीन निर्दलीय उम्मीदवार शामिल हैं। विजयी उम्मीदवारों की वित्तीय प्रोफाइल के अनुसार औसत विधायक 13.26 करोड़ रुपए संपत्ति के मालिक हैं। विश्लेषण के मुताबिक कुल 68 विधायकों में से 63 (93 प्रतिशत) या तो करोड़पति हैं या विशाल साम्राज्य के मालिक हैं। यदि हम पार्टी-वार जीतने वाले करोड़पति उम्मीदवारों का विश्लेषण करते हैं तो 40 में से 38 (95 फीसदी) कांग्रेस के हैं 25 में से 22 (88 फीसदी) भाजपा के हैं और 3 (100 फीसदी) निर्दलीय जीतने वाले उम्मीदवारों ने एक करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है। प्रत्येक चुनाव के साथ करोड़पति और करोड़पतियों की प्रविष्टि बढ़ जाती है। सन 2017 के विधानसभा चुनाव में इस पहाड़ी राज्य में 52 (76 फीसदी) करोड़पति विधायक थे।

आठ वर्षीय बच्चे तन्मय का शव बाहर निकाला

– बोरवेल में गिर मासूम को बचाने 84 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन

बैतूल । बोरवेल में फंसे आठ वर्षीय बच्चे तन्मय साहू का शव बाहर निकाल लिया गया है।मासूम को बचाने के लिए प्रशासन द्वारा 84 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। मासूम को बोरवेल से निकालने के बाद तुरंत अस्पताल ले जाया गया था। यह घटना बैतूल जिले के गांव मांडवी की है। इस बारे में आठनेर के थाना प्रभारी अजय सोनी ने बताया था कि मांडवी के सुनील साहू का आठ साल का बेटा तन्मय मंगलवार को शाम करीब पांच बजे पुराने बोरवेल में गिर गया था। सूचना मिलते ही मौके पर एसडीईआरएफ की टीम और पुलिस टीम पहुंची और बचाव का कार्य प्रारंभ किया गया। तन्मय करीब 50 फीट गहराई पर अटका हुआ था और बात कर रहा था। बोरवेल से करीब 30 फीट की दूरी पर बुलडोजर और पोकलेन मशीन की सहायता से सुरंग बनाने के लिए खोदाई प्रारंभ की गई थी। पोकलेन मशीन से करीब 50 फीट की गहराई तक खुदाई की गई इसके बाद फंसे हुए बच्चे तक सुरंग बनाने का काम किया गया। तन्मय के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। डाक्टरों की टीम सिविल सर्जन अशोक बारंगा की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कर रही है। तन्मय के माता-पिता ने इस बात को लेकर नाराजगी जताई है कि बोरवेल से बाहर निकालने पर उन्हें बेटे का चेहरा तक नहीं दिखाया गया। मांडवी गांव में मंगलवार शाम बोरवेल में गिरे आठ साल के तन्मय साहू को सुरक्षित निकालने के लिए युद्ध स्तर पर बचाव अभियान पिछले 84 घंटे तक चला। एनडीआरएफ और एसडीईआरएफ की टीम द्वारा बोरवेल के समानांतर 46 फीट का गडढा कर शुक्रवार तीन बजे तक करीब नौ फीट लंबी सुरंग बनाई गई थी। तन्मय तक पहुंचने के लिए सिर्फ तीन फीट सुरंग बनाई जानी बाकी रह गई थी। कलेक्टर बैस ने बताया कि लगभग तीन फीट सुरंग की खोदाई शेष रह गई थी। मलबा बाहर निकालने के लिए कुछ देर के लिए काम रोका गया था। जिसके बाद तन्मय के शरीर में कोई हरकत नजर नहीं आ रही थी। मौके पर डाक्टरों की टीम मौजूद थी जो तन्मय को बाहर निकालने के तत्काल बाद परीक्षण किया और अस्पताल उसे पहुंचाने ले जाया गया। जहां पर बच्चे को मृत घोषित किया गया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस मामले पर संज्ञान लेते हुए ट्वीट किया था। शिवराज ने ट्वीट करते हुए कहा बैतूल के आठनेर ब्लॉक के मांडवी गांव में 8 साल के मासूम के बोरवेल में गिरने की घटना दुखद है।मैंने स्थानीय प्रशासन को जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा

जयराम रमेश का दावा, कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा पर गुजरात चुनाव के नतीजों का कोई असर नहीं

बूंदी (एजेंसी)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को दावा किया कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजों का कोई असर नहीं है क्योंकि भारत जोड़ो यात्रा 'चुनाव जिताओ यात्रा' या'चुनाव जीतो यात्रा' नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि गुजरात चुनाव का नतीजा निराशाजनक जरूर था। हालांकि, रमेश ने आरोप लगाया कि गुजरात में केंद्र और राज्य सरकार की मशीनरी का दुरुपयोग किया गया और चुनाव प्रचार में भाजपा द्वारा एक बच्ची का इस्तेमाल किए जाने की कांग्रेस की शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

उन्होंने कहा, ''गुजरात चुनाव हमारे लिये निराशाजनक जरूर है। 2017 में हमने खूब प्रयास किया और भाजपा को 100 सीटें भी नहीं मिली और हमारे तथा भाजपा के बीच में 24-25 सीटों का अंतर था। लेकिन इस बार हमें बहुत बड़ा धक्का मिला है।'' उन्होंने कहा, ''धक्का इसलिये मिला है क्योंकि हम एक गठबंधन के साथ मुकाबला कर रहे थे..सिर्फ भाजपा के साथ नहीं.. भाजपा के साथ आम आदमी पार्टी और एआईएमआईएम भी जुड़ी हुई थी और आम आदमी पार्टी तथा एआईएमआईएम का कांग्रेस का वोट काटना ही एक मकसद था।'' कांग्रेस नेता ने बूंदी में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''कांग्रेस के वोट शेयर में भारी गिरावट आई है 40 प्रतिशत से 27 प्रतिशत हुआ है.. परन्तु मैं समझता हूं 27 प्रतिशत एक फाउंडेशन है अगले पांच साल में एक चुनाव में 27 से 40 प्रतिशत पर जाना मुश्किल नहीं है।''

उन्होंने कहा कि ''चुनाव परिणाक निराशाजनक है.. आत्मचिंतन की जरूरत है हमारे स्थानीय नेताओं को एकजुट होने की जरूरत है.. हम समीक्षा करेंगे.. विश्लेषण करेंगे.. बातचीत होगी, परन्तु हम विश्वास रखते हैं कि हमें ज्यादा सीटे तो नहीं मिली और भाजपा को भारी बहुमत मिला है.. इस आप पार्टी और एआईएमआईएम के कारण और राज्य सरकार और केन्द्र सरकार की संस्थाओं का जो दुरूपयोग हुआ हमारे खिलाफ वो भी एक कारण है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य वरिष्ठ नेता जानते हैं कि क्या कार्रवाई की जानी है। भाजपा ने बृहस्पतिवार को गुजरात में 182 सदस्यीय सदन में 156 सीटें जीतकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की, जो 2017 की भाजपा को मिली 99 सीटों की तुलना में बहुत अधिक है। उन्होंने कहा, ''गुजरात को छोडकर मैं समझता हूं भाजपा को ढिंढोरा पीटने के लिये कोई कारण नहीं है।

प्रधानमंत्री गुजरात के बारे में ही बात करते है क्योंकि वो जनता का ध्यान हिमाचल प्रदेश, राजस्थान छत्तीसगढ़, उड़ीसा, बिहार के नतीजे से और कहीं ले जाना चाहते है।'' उन्होंने कहा, ''कमिंया हमारे संगठन में थी, इन कमियों को हमें देखना है इसका विश्लेषण करना है और जो कार्रवाई करनी है हमें करना है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा आलाकमान....अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जानते हैं। वो जानते हैं कि क्या क्या करने की जरूरत है।'' रमेश ने कहा, ''चुनाव में उतार चढाव होते हैं यह वास्तविक है.. चुनाव हारते हैं.. चुनाव जीतते हैं पर यह

बात बिल्कुल साफ हो गया है कि आम आदमी पार्टी और एआईएमआईएम वोट काटने वाली पार्टी है, और ये भाजपा के इशारे से चलते हैं। कांग्रेस को कमजोर करने के लिये आप पार्टी और एआईएमआईएम पार्टी का इस्तेमाल किया जाता है।'' उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश का चुनाव परिणाम कांग्रेस पार्टी के लिये तो एक बूस्टर डोज के माफिक है क्योंकि हमें हिमाचल में स्पष्ट बहुमत मिला है।

तमिलनाडु तट पार करने के बाद कमजोर हुआ चक्रवात 'मैंडूस', लेकिन रातभर मचाता रहा हाहाकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई। मामल्लपुरम तट पार करने वाला चक्रवाती तूफान 'मैंडूस' गहरे दबाव के क्षेत्र में तब्दील होकर कमजोर हो गया है लेकिन इसका शहर और उसके आसपास के इलाकों में काफी असर पड़ा है जिससे कई पेड़ उखड़ गए। यहां वृहद चेन्नई निगम समेत विभिन्न निकाय एजेंसी गिरे हुए पेड़ों को हटाने में लगी रहीं। भारी बारिश के कारण चेन्नई के टी नगर में एक दीवार गिर गई। दीवार गिरने से एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। चेन्नई के विभिन्न हिस्सों में तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण पेड़ उखड़ गए। ग्रेटर चेन्नई निगम के आयुक्त गगनदीप सिंह बेदी बाढ़ निगरानी अधिकारियों, जोनल अधिकारियों और इंजीनियरों की टीम के साथ शहर के निरीक्षण पर हैं, क्योंकि चक्रवात मांडूस एक गहरे दबाव में कमजोर हो गया है और दोपहर तक एक अवसाद में कमजोर पड़ने की संभावना है।

चक्रवात मैंडूसके कारण भारी वर्षा से चेन्नई के अरुम्बक्कम की एमएमडीए कॉलोनी में जलभराव हो

गया है। चक्रवात मंडस के कारण पिछली रात की तेज हवाओं और बारिश से चेन्नई के एग्मोर में एक ईंधन स्टेशन की छत गिर गई। परिसर में लगा एक पेड़ भी गिर गया है। शहर में तथा आसपास के इलाकों में बिजली अभी गुल है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग चेन्नई ने ट्वीट किया, ''चक्रवाती तूफान मैंडूस (जिसका मतलब खजाने की पेटी है) उत्तरी तमिलनाडु तट पर गहरे दबाव के क्षेत्र में तब्दील होकर कमजोर हो गया। यह 10 दिसंबर को दोपहर तक पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ेगा तथा धीरे-धीरे कमजोर होकर दबाव के क्षेत्र में बदल जाएगा।'' तमिलनाडु के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन ने कहा कि उम्मीद के मुताबिक कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि 9,000 से अधिक लोगों को 205 राहत केंद्रों में रखा गया है।

चेन्नई पुलिस ने बताया कि शहर के विभिन्न हिस्सों में करीब 100 पेड़ उखड़ गए तथा पांच स्थानों पर बिजली के खंभे गिर गए। पुलिस ने बताया कि कामराजार सलाई में वाहनों की आवाजाही बहाल कर दी गई है। चक्रवात के कारण शुक्रवार सुबह छह बजे से आज सुबह छह बजे के बीच कुल 30 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द की गईं। आज सुबह कुछ देर के लिए हवाई अड्डे के रनवे को बंद कर दिया गया। इसके अलावा, चेन्नई से रवाना होने वाली नौ उड़ानों को रद्द किया गया जबकि यहां आने वाली 21 उड़ानों का मार्ग दूसरे शहरों की ओर परिवर्तित किया गया।

जमानत याचिकाओं पर 10 मिनट से ज्यादा सुनवाई समय की बर्बादी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालतों को दस मिनट से ज्यादा समय तक जमानत याचिकाओं पर सुनवाई नहीं करनी चाहिए। जमानत के मामलों में कई दिनों तक लंबी सुनवाई अदालत के समय की बर्बादी है। कोर्ट की यह टिप्पणी जेएनयू के पूर्व छात्र शरजील इमाम की एक अर्जी पर सुनवाई के दौरान आई। कोर्ट ने कहा हमें लगता है कि जब गुण-दोष के आधार पर दायर की गई अपील की तरह जमानत आवेदनों पर बार-बार सुनवाई की जाती है तो यह समय की बर्बादी है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली दंगों के आरोपी शरजील इमाम को आश्वस्त किया कि इस मामले के दूसरे आरोपी उमर खालिद के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी उनके केस पर असर नहीं डालेगी। उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट ने दिल्ली दंगों में उमर खालिद की सक्रिय भूमिका मानते हुए टिप्पणी की थी कि शरजील इमाम उनके संपर्क में थे। कालेजियम की बैठक में हुई चर्चा के बारे में आरटीआई के तहत जानकारी उजागर नहीं की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें 12 दिसंबर 2018 को हुई कालेजियम की बैठक की जानकारी आरटीआई के तहत उजागर करने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस सीटी रविकुमार की बेंच ने कहा कि कालेजियम की बैठक में जो चर्चा हुई हो उसकी जानकारी नहीं मांगी जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि कालेजियम की बैठक के बाद जो आखिरी फैसला होता है जिस पर जजों के दस्तखत होते हैं उसे ही सार्वजनिक किया जाता है।

श्रद्धा के पिता ने महाराष्ट्र पुलिस को ठहराया जिम्मेदार, कहा- मेरी बेटी आज जिंदा होती अगर...

मुंबई (एजेंसी)। श्रद्धा वाकर से अलग रह रहे पिता ने शुक्रवार को उनके प्रेमी आफताब पूनावाला के लिए मौत की सजा की मांग की है। आफताब पर श्रद्धा वॉकर की हत्या करने और उसके शरीर के 35 टुकड़े करनेका आरोप है। श्रद्धा वॉकर के पिता विकास वॉकर ने अपनी बेटी के लापता होने की जांच में देरी के लिए महाराष्ट्र के वसई में दो पुलिस स्टेशनों के अधिकारियों को दोषी ठहराया। विकास वॉकर ने कहा कि जैसे मेरी बेटी की हत्या हुई है वैसे ही आफताब पूनवाला को भी उसी तरह का सबक मिलने की मैं उम्मीद करता हूं। आफताब के परिजनों, रिश्तेदारों व घटना में शामिल अन्य सभी के खिलाफ जांच होनी चाहिए।

श्रद्धा वॉकर के पिता ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने हमें भरोसा दिलाया है कि हमें न्याय मिलेगा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी मुझे आश्वासन दिया है कि मैं आपको न्याय दिलाऊंगा। बता दें कि 28 वर्षीय आफताब पूनावाला और 27 वर्षीय श्रद्धा वॉकर 2019 से वसई में एक साथ रह रहे थे, जिसके कारण वॉकर और उसके पिता विकास के बीच मनमुटाव हो गया था, जो उनके रिश्ते के खिलाफ थे। दो जोड़े इस साल मई में दक्षिणी दिल्ली के छतरपुर में एक किराए के फ्लैट में चले गए, जहां 18 मई को, पूनावाला ने 18 मई को वाकर की कथित तौर पर हत्या कर दी। अगले दो दिनों में उसके शरीर को काट दिया, और फिर अगले तीन महीनों में उसका निपटान किया। दक्षिण दिल्ली और गुरुग्राम में टुकड़े। उसे 12 नवंबर को वाकर की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

वाकर के पिता विकास ने कहा कि पूनावाला को मौत की सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आफताब पूनावाला ने मेरी बेटी को बेरहमी से मार डाला, उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। मेरी बेटी की हत्या के लिए उसे फांसी दी जानी चाहिए। उन्होंने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और सोमैया से मुलाकात के तुरंत बाद प्रेस वार्ता की। विकास ने अधिकारियों से कथित हत्या में पूनावाला के परिवार की भूमिका की जांच करने का भी आग्रह किया।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब', न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में रही और रात करीब आठ बजे 337 दर्ज की गई। इससे पहले शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में रही और सुबह 11 बजे के करीब 303 दर्ज की गई। दिल्ली विश्वविद्यालय के पास के इलाकों में 316 का एक्यूआई देखा गया। जैसे ही राष्ट्रीय राजधानी में पारा गिरा, स्मॉग का स्तर भी बढ़ गया। एनसीआर क्षेत्र में, नोएडा में हवा की गुणवत्ता 448 के एक्यूआई के साथ चरम पर थी। गुरुग्राम में एक्यूआई 304 दर्ज किया गया था।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब'

दिल्ली में वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' रही और न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। इसने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में अगले कुछ दिन धुंध और कोहरा छाए रहने का अनुमान है तथा 16 दिसंबर तक पारा छह डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। शहर में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 337 दर्ज किया गया और 24 घंटे का औसत एक्यूआई शुक्रवार को 314 पर रहा।

गौरतलब है कि 201 से 300 के बीच एक्यूआई 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच एक्यूआई 'गंभीर' माना जाता है। दिल्ली में रविवार को प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में पहुंचने पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 'ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान' के तीसरे चरण के तहत पाबंदियां लागू करने का निर्देश दिया था जिसमें गैर आवश्यक निर्माण कार्य पर प्रतिबंध भी शामिल है। वायु प्रदूषण का स्तर कम होने पर बृहस्पतिवार को पाबंदियां हटा ली गई थीं।

सीमावर्ती गांवों की अन्य राज्यों में विलय की मांग महाराष्ट्र के हित में नहीं: रामदास आठवले

ठाणे(एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा है कि महाराष्ट्र के कुछ सीमावर्ती गांवों का कर्नाटक सहित अन्य पड़ोसी राज्यों में विलय की मांग करना प्रदेश के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ये गांव राज्य का हिस्सा बने रहें और उनके बाशिंदों को सभी सुविधाएं हासिल हों। ठाणे जिले के कल्याण में शुक्रवार को आयोजित एक कार्यक्रम से इतर आठवले ने संवाददाताओं से कहा कि वह सीमा विवाद पर चर्चा के लिए जल्द मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात करेंगे। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ने कहा, ''सीमा विवाद नया नहीं है, क्योंकि यह राज्य के गठन से पहले मौजूद था। हालांकि, अब नौबत यह आ गई है कि महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित कुछ गांव राज्य से अलग होना चाहते हैं। यह राज्य के लिए हित में नहीं है।'' उन्होंने कहा कि सिर्फ कर्नाटक की सीमा से सटे महाराष्ट्र के गांवों के लोग ही असंतुष्ट नहीं हैं, बल्कि मध्य प्रदेश और गुजरात की सीमा के पास स्थित गांवों के लोग भी पड़ोसी राज्यों में विलय के इच्छुक हैं। आठवले ने कहा कि एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार को इस मुद्दे को सुलझाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''सीमा मुद्दा फिलहाल अदालत में विचाराधीन है। लेकिन राज्य

सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इन सीमावर्ती गांवों को सभी सुविधाएं मिलें। उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ये गांव राज्य का ही हिस्सा बने रहें। मैं इस मुद्दे पर चर्चा के लिए जल्द शिंदे और फडणवीस से मिलूंगा।

तीन राज्यों में कांग्रेस को चुनौती देगी आम आदमी पार्टी

–आसान नहीं होगा चुनाव जीतना

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। आम आदमी पार्टी इन दिनों बड़ी उत्साहित है। दिल्ली नगर निगम के चुनाव में आशातीत सफलता पाने गुजरात में 12.9 फ़ीसदी वोट हासिल करने राष्ट्रीय पार्टी बन जाने की खुशी नेताओं के चेहरे पर दिख रही है।

आम आदमी पार्टी अगले वर्ष होने वाले मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ एवं राजस्थान के विधानसभा चुनाव में पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी। उपरोक्त 3 राज्यों में चुनाव लड़ने के बाद वह 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए अपनी दावेदारी पेश करेगी।

मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ और राजस्थान तीनों ही राज्यों में भारतीय जनता पार्टी का कांग्रेस के साथ सीधा मुकाबला है। यदि आम आदमी पार्टी यहां से चुनाव लड़ती है और वही दमखम दिखाती हैजो उसने गुजरात में दिखाया है। तो निश्चित रूप से इन राज्यों में कांग्रेस को सत्ता से बाहर करने के लिए आम आदमी पार्टी अपना पूरा जोर लगा देगी।

जीत हार का अंतर

मध्य प्रदेश की 71 सीटों पर 5 फ़ीसदी 7 सीटों पर 4 फ़ीसदी44 सीटों पर 3 फ़ीसदी और 30 सीटों पर 2 फ़ीसदी तथा 16 सीटों पर 1 फ़ीसदी से कम वोटों पर जीत हार हुई थी।

छत्तीसगढ़ में 18 सीटों पर 5 फ़ीसदी से कम 14 सीटों पर 3 फ़ीसदी 6 सीटों पर 2 और 2 सीट पर 1 फ़ीसदी से कम वोटों का जीत हार के बीच में अंतर था।

राजस्थान में पिछले चुनाव में 58 सीटों पर जीत हार का अंतर 5 फ़ीसदी से कम था। 13 सीटों पर 1 फ़ीसदी से कम और 23 सीटों पर 2 फ़ीसदी से कम 39 सीटों पर 3 फ़ीसदी से कम और 43 सीटों में 4 फ़ीसदी से कम अंतर से जीत हार हुई थी। गुजरात में लगभग 13 फ़ीसदी वोट लेकर आम आदमी पार्टी अति उत्साहित है। भाजपा भी चाहेगीकि आम आदमी पार्टी पूरी तरह से मुकाबले में तीनों राज्यों के चुनाव में उतरे और कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाए। यदि ऐसा हुआ तो तीनों राज्यों में भाजपा का डंका गुजरात की तरह बजेगा।

सूत्रों के अनुसार आम आदमी पार्टी सबसे ज्यादा चुनाव प्रचार मध्यप्रदेश और राजस्थान में लडेगी। यहां पर उसके लिए अनुकूल वातावरण है। पिछले 5 वर्षों से वह मध्य प्रदेश में लगातार सक्रिय है। राजस्थान दिल्ली का सीमावर्ती राज्य है। गुजरात की तरह मध्यप्रदेश और राजस्थान उसके निशाने पर है।

भाजपा और आम पार्टी साधन संपन्न

भारतीय जनता पार्टी को सबसे ज्यादा चुनावी चंदा मिलता है। भाजपा चुनाव में पार्टी की ओर से बहुत बड़ी राशि खर्च करती है। ठीक उन्हीं के पद चिन्हों पर आम आदमी पार्टी चल रही है। दोनों ही पार्टियां बड़े पैमाने पर चुनाव के दौरान पैसे खर्च करती हैं। वहीं कांग्रेस पार्टी की आर्थिक हालत इन दिनों खस्ता है। ईडी और सीबीआई के डर से जो चंदा देते थे उन्होंने भी कांग्रेस से मुंह मोड़ लिया है। कांग्रेस के पास अखबारों और मीडिया में विज्ञापन के लिए पैसे नहीं होते हैं।चुनाव संसाधन भी उसके पास नहीं है। रही सही कसर उसके पास जो कार्यकर्ता और नेता हैं। वह

आपस में लड़ते रहते हैं। अतः जनता तक कांग्रेसनातो पहुंच पाती है। और नाही अपनी बात पहुंचा पाती है।

ए और बी टीम

आम आदमी पार्टी को भाजपा की बी टीम बताया जाता है।आम आदमी पार्टी बी टीम हो या नहीं हो। इसके बाद भी फायदा भाजपा और आम आदमी पार्टी को ही होता है। भाजपा केडर बेस पार्टी होने के कारण उसके पास पर्याप्त मात्रा में पैसा और कैडर होता है। आम आदमी पार्टी भी भाजपा की तर्ज पर संगठन खड़ा करती है।चुनाव में पर्याप्त धनराशि खर्च कर पा रही है। जिसके कारण कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लग जाती है। कांग्रेस की फूट का लाभ आम आदमी पार्टी को अनायास ही मिल जाता है।इस खेल के मत विभाजन के बाद भाजपा की रिकॉर्ड जीत हो जाती है।गुजरात का यह फार्मूला अब हिंदी भाषी 3 राज्यों में जिसमें मध्यप्रदेशराजस्थान और उसके बाद छत्तीसगढ़ है।अब देखना यह है कि कांग्रेस इससे कैसे लड़ पाती है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई